आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11। अंक 149। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

इंदौर, मंगलवार, 03 जून, 2025

पराग्वे के राष्ट्रपति ने राजघाट पर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी ● नई दिल्ली

पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस इन दिनों भारत यात्रा पर हैं। भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। विदेश मंत्रालय ने इस बारे में जानकारी दी। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, शांति और अहिंसा के मूल्यों का सम्मान करते हुए। पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले, भारत पहुंचने पर पालम एयर फोर्स स्टेशन पर गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका औपचारिक स्वागत किया गया। विदेश राज्य मंत्री हर्षवर्धन मल्होत्रा ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस से मुलाकात की। सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी मुलाकात की जानकारी देते हुए जयशंकर ने दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। जयशंकर ने लिखा, भारत यात्रा की शुरुआत में पैराग्वे के राष्ट्रपति पालासिओस से मिलकर प्रसन्नता हुई। कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए उनकी सकारात्मक भावनाओं और मार्गदर्शन की सराहना करता हूं। मुझे विश्वास है कि आज प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत पैराग्वे और दक्षिण अमेरिका क्षेत्र के साथ भारत के जुड़ाव के लिए नए रास्ते खोलेगी।

यहां पीएम मोदी ने आज हैदराबाद हाउस में उनसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पराग्वे को दक्षिण अमेरिका में भारत का महत्वपूर्ण साझेदार बताया। उन्होंने कहा कि हमारा भूगोल भले ही अलग हो, लेकिन हमारे लोकतांत्रिक आदर्श और जनकल्याण की एक ही सोच है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति सैंटियागो व उनके साथ

आए प्रतिनिधिमंडल का हार्दिक स्वागत किया। बता दें कि पराग्वे के राष्ट्रपति तीन दिन की भारत यात्रा पर आज सुबह राजधानी दिल्ली पहुंचे थे। यह उनकी पहली भारत यात्रा है वहीं, दक्षिण अमेरिकी देश के किसी राष्ट्रपति की दूसरी यात्रा है।

यहां प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने पराग्वे के राष्ट्रपति से कहा कि आपकी यात्रा बहुत ही ऐतिहासिक है। मुझे खुशी है कि आपके साथ वरिष्ठ मंत्रियों का प्रतिनिधिमंडल यहां आया है। पीएम मोदी ने कहा कि आप सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि मुंबई भी जा रहे हैं। इससे आपसी संबंधों को प्रगाढ़ करने की आपकी प्रतिबद्धता बिल्कुल स्पष्ट है। मेरा विश्वास है कि आपसी सहयोग से हम साझी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगे। पीएम मोदी ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ़ लड़ाई में भारत और पैराग्वे कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। साइबर अपराध, संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी जैसी साझा चुनौतियों से लड़ने के लिए सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। पीएम मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि आपकी यात्रा से आपसी संबंधों के विश्वास, व्यापार, और करीबी सहयोग के स्तंभों को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही, भारत और लैटिन अमेरिका संबंधों में भी नए आयाम जुड़ेंगे।

हमारी आशाओं, आकांक्षाओं और चुनौतियों में समानता

पीएम मोदी ने कहा, भारत और पैराग्वे वैश्विक दक्षिण के अभिन्न अंग हैं। हमारी आशाओं, आकांक्षाओं और चुनौतियों में समानता है। इसीलिए हम एक दूसरे के अनुभवों से सीखते हुए, इन चुनौतियों से कारगर तरीके से निपट सकते हैं। हमें संतोष है कि कोरोना महामारी के समय हम भारत में बनी वैक्सीन, पैराग्वे के लोगों के साथ साझा कर सके। ऐसी और भी क्षमताएं हम एक दूसरे के साथ साझा कर सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा, मैंने पिछले वर्ष गयाना में कैरीकॉम समिट में भाग लिया। हमने कई विषयों पर सहयोग बढ़ाने पर बात की। मैं समझता हूं कि उन सब क्षेत्रों में हम पैराग्वे और सभी लैटिन अमेरिकी देशों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं।

सिक्किम में मिलिट्री कैंप पर लैंडस्लाइड

3 जवानों की मौत, 6 लापता

एजेंसी ● नई दिल्ली/इंफाल/भोपाल

सिक्किम में रविवार शाम 7 बजे एक मिलिट्री कैंप भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया। इसमें 3 जवानों की मौत हो गई, जिनके शव बरामद हुए हैं। चार लोगों को मलबे से जिंदा निकाला गया है। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। छह जवान अभी लापता हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है

सेना ने सोमवार को घटना की जानकारी दी और बताया कि जिन जवानों के शव मिले हैं, उनकी पहचान हवलदार लखबिंदर सिंह, लांस नायक मनीष ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लखाड़ा के रूप में हुई है। दूसरी तरफ, सिक्किम के लाचेन और लाचुंग में 30 मई से फंसे एक हजार से ज्यादा टूरिस्टों को भी आज रेस्क्यू किया गया।

सिक्किम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में पिछले 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। बारिश के कारण बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाओं में अब तक 37 लोगों की जान गई है। इसमें असम में 10, अरुणाचल प्रदेश में 9, मिजोरम में 5 और मेघालय में 6 मौतें शामिल हैं। सिक्किम में अक्टूबर, 2023 को बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। कम से कम 98 लोग लापता हो गए थे, जिसमें सेना के 22 जवान शामिल थे। इनका कुछ पता

नहीं चल पाया था। पूर्वोत्तर राज्यों में राहत और बचाव के लिए भारतीय सेना, एयरफोर्स और असम रायफल्स के जवानों को तैनात किया गया है। असम में 3.64 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। ब्रह्मपुत्र और बराक समेत 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मणिपुर में बाढ़ से 19,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। 3,365 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। त्रिपुरा में 10 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। मिजोरम की राजधानी आइजोल में भारी बारिश के कारण 2 जून को सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया है। 30 मई से अब तक राज्य में लैंडस्लाइड की 211 घटनाएं हुई हैं।

मध्य प्रदेश के 50 जिलों में बारिश का अलर्ट

इधर, राजस्थान के 30 जिलों और मध्य प्रदेश के 50 जिलों में बारिश का अलर्ट है। बिहार के वैशाली में रविवार शाम तेज आंधी-बारिश के कारण एक घर गिरने से 60 साल की महिला की मौत हो गई। राज्य के 9 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी है।

हनीमून मनाने शिलॉन्ग गए इंदौर के युवक का 11 दिन बाद शव मिला

युवक की टैटू से शिनाख्त हुई; पत्नी की तलाश जारी

संवाददाता ● इंदौर

मेघालय के शिलॉन्ग में 11 दिन से लापता इंदौर के कपल में से पति राजा रघुवंशी का शव सोमवार को एक खाई में मिला है। उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी की तलाश अभी जारी है।

यह कपल हनीमून मनाने मेघालय के शिलॉन्ग गया था। यहां दोनों ओसरा हिल्स से 23 मई की शाम के बाद से लापता हो गए थे। तब से अलग-अलग 6 टीमें उनकी सर्चिंग में जुटी हैं।

राजा के भाई सचिन ने उसका शव मिलने की पुष्टि की है। दूसरे भाई विपिन ने कहा कि जहां स्कूटर मिला था, वहीं से करीब 20 से 25 किलोमीटर दूर शव मिला है। राजा की मौत कैसे हुई और वह यहां तक कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है। बता दें कि राजा के भाई विपिन और सोनम के भाई गोविंद सर्चिंग टीम के साथ ही मौजूद हैं।

पुलिस ड्रोन की मदद से मिली डेड बॉडी

मेघालय पुलिस ने बताया कि सोमवार को भी राजा और सोनम की सर्चिंग की गई। इसमें ड्रोन की भी मदद ली गई। सुबह 11.48 बजे ड्रोन की मदद से गहरी खाई में शव नजर आया। रियात अर्लियांग में वेइसाडोंग पार्किंग लॉट के नीचे खाई में शव था। बॉडी को ऊपर लाकर मजिस्ट्रियल जांच की गई।

हाथ पर बने टैटू से हुई शव की पहचान

शव के दाहिने हाथ पर एक टैटू (राजा नाम लिखा था) बना था। इसी के जरिए परिजन ने शव की पहचान राजा रघुवंशी के रूप में की। घटनास्थल पर एक महिला की सफेद शर्ट, वीवो कंपनी के मोबाइल फोन की एलईडी स्क्रीन और स्मार्ट घड़ी बरामद की गई है।

हत्या का केस दर्ज, जांच के लिए SIT बनाई

शव को पोस्टमार्टम के लिए शिलांग के NEIGRIHMS अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज किया है। जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि जांच आगे बढ़ने पर आगे की जानकारी दी जाएगी।

मेघायल सरकार पर जताई नाराजगी

राजा रघुवंशी के परिवार से जुड़े रवि वर्मा ने बताया- जिस जगह गाड़ी मिली थी, उससे 25-30 किमी दूर एक शव मिला है। बॉडी को तो हम अभी स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन हाथ पर राजा नाम लिखा है। 8 दिन से लगातार मेघालय सरकार में हम मदद मांग रहे थे, लेकिन जैसी मदद मिलनी थी वैसी नहीं मिली। खराब मौसम का हवाला दिया जा रहा था। अगर समय पर मदद मिलती तो राजा सकुशल मिल सकते थे। पूरे परिवार की मेघालय सरकार से नाराजगी है।

खराब मौसम से रेस्क्यू में परेशानी

सचिन ने दैनिक भास्कर को बताया बताया कि शिलॉन्ग में बारिश और कोहरा है। इसके कारण सर्चिंग में दिक्कत आ रही है। पहाड़ी इलाके में आर्मी ही कुछ कर सकती है, लेकिन वो मौजूद नहीं है। 6 टीमें सर्चिंग कर रही हैं।

मंत्री के बयान से परिवार नाराज

मेघालय के पर्यटन मंत्री पॉल लिंगदोह ने इंदौर कपल और हंगरी के पर्यटक की हत्या पर कहा था कि पर्यटक बिना अधिकृत गाइड के इलाकों में ना जाएं। इस पर राजा के भाई विपिन ने कहा, "मंत्री को अपने पद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। इस तरह का बयान देना गलत है। यहां एक दिन पहले ही एक हत्या हुई है, लेकिन अफसरों-मीडिया ने उसे सामने ही नहीं आने दिया। जनता भी अपराधों को छिपाती है जबकि सबको सभी तरह की जानकारी रहती है। अब बाहर से आने वाले पर्यटक शाम 6 बजे ही अपने होटलों में जाने लगे हैं। लोगों को अकेले कहीं भी जाने में डर लगता है।" सचिन रघुवंशी ने कहा, "सरकार को सिर्फ टूरिज्म की फिक्र है। पर्यटक की सुरक्षा को लेकर उनका ध्यान ही नहीं है। जब मंत्री अपने बयान में संवेदनशील जगह पर नहीं जाने की बात कर रहे हैं तो वहां पर ऐसी सूचना लगानी थी। फॉरेस्ट टीम को तैनात करना था। वे जिम्मेदारी से बच रहे हैं।"

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद बोले- देश में लोग राजनीतिक वफादारी का आकलन कर रहे हैं

एजेंसी ● नई दिल्ली

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने सोमवार को X पोस्ट में लिखा- जब भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया भर में अपना संदेश पहुंचाने के मिशन पर होता है, तो देश में लोग राजनीतिक वफादारी का आकलन कर रहे हैं। यह दुखद है। क्या देशभक्त होना इतना मुश्किल है?

सलमान के बयान को उनकी पार्टी और विपक्ष के नेताओं के बयान के खिलाफ देखा जा रहा है। 1 मई को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर पर PM मोदी खुद की तारीफ करना बंद करें। उन्हें दुश्मन पर ध्यान देना चाहिए।

सलमान खुर्शीद JDU सांसद झा के नेतृत्व वाले उस डेलिगेशन में शामिल हैं जो ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख रखने के लिए विदेशी दौरे पर हैं।

उनका डेलिगेशन अभी तक इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर का दौरा कर चुका है। फिलहाल मलेशिया में है। डेलिगेशन का मलेशिया दौरा बाकी है। ये 21 मई को रवाना हुआ था।

जालंधर में अंबेडकर प्रतिमा पर पोती कालिख :प्रतिमा पर SFJ लिखा

राजा वड़िंग ने जताया विरोध; आतंकी पन्नू के खिलाफ UAPA के तहत केस दर्ज

एजेंसी ● जालंधर

खालिस्तान समर्थक 'सिख फॉर जस्टिस' (SFJ) के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने जालंधर में फिल्लौर स्थित राधा स्वामी कॉलोनी में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर कालिख पुतवा दी। घटना के बाद एसएसपी जालंधर हरविंदर सिंह विर्क ने पन्नू के खिलाफ UAPA और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की 41वीं बरसी मनाई जा रही है। आतंकी पन्नू ने दावा किया है कि डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा मूर्ति पर SFJ संगठन की तरफ से कालिख पोती गई है। इतना ही नहीं, प्रतिमा पर एसएफजे का नाम लिखा गया और खालिस्तान का झंडा भी लहराया गया। SFJ ने इस घटना का एक वीडियो जारी करते हुए 6 जून को पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में

अंबेडकर की अन्य मूर्तियों को भी इसी तरह 'कालिख पोतने' की धमकी दी है।

SFJ के जनरल काउंसलर गुरपतवंत सिंह पन्नू का आरोप है कि भारतीय संविधान जिसे डॉ. अंबेडकर ने तैयार किया था, वह वैचारिक हथियार है। जिसने 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार को कानूनी वैधता दी।

पन्नू ने कहा- 'भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25(बी) के तहत सिखों को कानूनी रूप से हिंदू घोषित किया गया, जिसने सिख पहचान को मिटाने और गोल्डन टेंपल पर हमले की जमीन तैयार की। अंबेडकर का संविधान ही इंदिरा गांधी सरकार के लिए सिखों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और हिंसा को उचित ठहराने का जरिया बना।'

ऑपरेशन ब्लूस्टार को आधार बना दे रहा धमकियां

SFJ ने यह अभियान ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी से जोड़ा है। 6 जून 1984 को भारतीय सेना ने अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल परिसर में एक सैन्य अभियान चलाया था। जिसे सिख इतिहास का काला अध्याय मानते हैं।

बारहवीं कक्षा के छात्र करण प्रीत सिंह छाबड़ा ने इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड में दूसरा रैंक हासिल किया

इंदौर के छात्र को मिला इंटरनेशनल रैंक और गोल्ड मैडल

संवाददाता ● इंदौर

विश्व के सबसे बड़े ओलंपियाड साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड परीक्षा 2024-25 में चोइथराम स्कूल के बारहवीं कक्षा के छात्र करण प्रीत सिंह छाबड़ा ने इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड में दूसरा रैंक हासिल किया है और एसओएफ ओलंपियाड 2024-25 में रजत पदक और मेरिट प्रमाण पत्र अर्जित किया है। इस वर्ष के एसओएफ ओलंपियाड में 72 देशों के लगभग लाखों विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें इंदौर के 55600 से अधिक विद्यार्थी शामिल थे। प्रतिभागियों में एडवांस्ड एकेडमी, सन्मति हायर सेकेंडरी स्कूल सहित इंदौर के प्रतिष्ठित विद्यालय शामिल थे।

योग्यता

साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक महाबीर सिंह ने बताया कि 2024-25 की ओलंपियाड परीक्षा में 72 देशों के 4000 शहरों की 96,499 से अधिक स्कूलों के लाखों छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि एसओएफ के पिछले 27 वर्षों से बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने का कार्य कर रहा है। ओलंपियाड में शामिल होने वाले छात्रों को उनकी योग्यता के अनुसार अंतरराष्ट्रीय, राज्य और स्कूल स्तर पर रैंक दी जाती है, जिससे वे अपनी क्षमताओं और सुधार की संभावनाओं को समझ सकें। इसी के साथ एसओएफ ने कई सामाजिक और शैक्षणिक पहल भी की हैं, जिनमें 'गर्ल चाइल्ड स्कॉलरशिप स्कीम' के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की 300 होनहार छात्राओं को वार्षिक छात्रवृत्ति दी जाती है। वहीं 'डिफेंस सर्विसेज फैमिली स्कॉलरशिप' के अंतर्गत रक्षा सेवाओं से जुड़े 260 छात्रों को शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक शिविर और प्रदर्शनियां भी आयोजित करता है। 'अकादमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप ' के अंतर्गत 72 देशों के 260 छात्रों को ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है। संस्था का उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा को पहचानना, प्रोत्साहित करना और उन्हें विश्व मंच पर आगे बढ़ने का अवसर देना है।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री विजय कुमार शुक्ला, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ ओसियन टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. बालाजी रामकृष्णन और डॉ. सतीश आर्य भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। हर साल एसओएफ आठ ओलंपियाड परीक्षाएँ आयोजित करता है जिसमे, इंटरनेशनल कंप्यूटर साइंस ओलंपियाड, नेशनल साइंस ओलंपियाड, इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड, इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड, इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल सोशल स्टडीज़ ओलंपियाड, इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड शामिल हैं।

शॉट न्यूज

खड़ी कार से टायर चोरी करने वाले गिरफ्तार

इंदौर। लसूड़िया थाना के पास यार्ड में खड़ी कार से टायर चुराने वाले और खरीदने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी लसूड़िया तारेश कुमार सोनी ने बताया कि सत्यसांई स्क्वेयर पर ड्रिंक एंड ड्राइव की चैकिंग मे वाहन क्रमांक एमपी09सीएफ1085 के चालक को रोककर ब्रिथ एनालाइजर मशीन से चैक किया गया तो वाहन चालक अत्यधिक शराब पीना पाया गया, जिससे मौके पर उसका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम योगेश पिता अशोक गोलवलकर (45) निवासी राजेन्द्र नगर का बताया था। वाहन चालक के विरुध्द धारा 185 एमव्ही एक्ट तहत कार्रवाई और जब्तशुदा फोक्स वेगन की पोलो कार क्रमांक एमपी09सीएफ1085 को थाना लसूड़िया लाया गया। 27 मई को कार क्रमांक एमपी09सीएफ1085 का चालक योगेश ने ड्रिंक एंड ड्राइव का न्यायालय से चालान भरकर अपनी गाड़ी सुपुर्दगी पर लेने के लिए थाना उपस्थित हुआ तो उस समय यार्ड में जाकर चैक करते जब्त वाहन कार के आगे पीछे के तीन पहिये नहीं थे।

जिसने जमानत करवाई उसी को शराब पिलाकर जमकर पीटा

इंदौर। द्वारकापुरी इलाके में आरोपियों ने जमानत में मदद करने वाले युवक को पहले शराब पिलाई और जब फरियादी ने जमानत करवाने के पैसे मांगे तो डंडे और बेल्ट से हमला कर दिया। उसे जमकर पीटकर अधमरा कर दिया। हमले के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक घायल का नाम आदित्य शर्मा है। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी चेतन पिता मुन्नालाल यादव निवासी प्रजापत नगर, मंकू उर्फ मयंक और जतिन यादव निवासी द्वारकापुरी के खिलाफ केस दर्ज किया गया। घटना टोनी मेमौरियल स्कूल के आगे प्रजापत नगर में हुई। फरियादी ने पुलिस को बताया कि आरोपी चेतन ने मुझे निजी स्कूल के सामने बैठाकर शराब पिलाई । मैंने उसकी जमानत कराई थी। जब उसके पैसे मांगे तो उसने ने पैसे देने से मना कर दिया और मुझे गालियां देने लगा।मैंने गालियां देने से मना किया तो उसने डंडे से हमला कर दिया। इससे हाथ और सिर में चोट आई। इसी दौरान आरोपी के साथियों ने भी लात-घूंसों से पीटा।

27 पीजी छात्रों का आल ओवर इंडिया नीट सुपरस्पेशलिटी में चयन

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के 27 पीजी छात्रों का अखिल भारतीय नीट सुपरस्पेशलिटी एग्जाम में सिलेक्शन हुआ है। यह पहली बार है कि इतनी बड़ी संख्या में किसी मेडिकल कॉलेज के छात्रों का चयन इस प्रकार की एग्जाम में किया गया हो। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) डीएम/एमसीएच और डीआरएनबी सुपर-स्पेशियलिटी कोर्स में प्रवेश के लिए एनईईटी-एसएस (सुपर-स्पेशियलिटी के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) परीक्षा लेता है। एनईईटी-एसएस परीक्षा इन कोर्स में प्रवेश के लिए एक एकल, राष्ट्रव्यापी प्रवेश परीक्षा है, जिसमें निजी मेडिकल कॉलेजों, यूनिवर्सिटी और डीम्ड यूनिवर्सिटी द्वारा प्रस्तावित कोर्स शामिल हैं। नीट सुपरस्पेशलिटी परीक्षा का परिणाम घोषित हो चुका है। इनके प्रवेश के लिए प्रथम राउंड की काउंसलिंग भी एमसीआई की जा चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग और अरबिंदो मेडिकल कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से लगेंगे 13 स्वास्थ्य शिविर

असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए हेल्थ चेकअप 5 से

संवाददाता ● इंदौर

संभागायुक्त दीपक सिंह की पहल पर स्वास्थ्य विभाग और श्री अरबिंदो मेडिकल कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से इंदौर में संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम की शुरूआत 5 जून से होने जा रही है। संभागायुक्त दीपक सिंह ने बताया कि असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए जून माह में इंदौर जिले में 13 स्वास्थ्य संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर आयोजित किये जाएंगे। इन शिविरों में आधुनिक मशीनों से ब्लड शुगर, ब्लड प्रेसर, सीबीसी, ईसीजी, फायब्रो स्केन, मेमोग्राफी, मोतियाबिंद, पेपस्मेयर आदि की निःशुल्क जाँच की जाएगी।

शिविर

शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रहेगी जो नागरिकों को मुफ्त परामर्श, परीक्षण तथा आवश्यक दवाईयां भी उपलब्ध कराएगी। आवश्यकता होने पर उपचार भी मुहैया कराया जायेगा। संभागायुक्त सिंह द्वारा संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम के सुचारू रूप से संचालन हेतु टीम गठित की गई है। यह टीम शिविर स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, अस्थायी टॉयलेट आदि की व्यवस्था करेगी। प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठायें और नियमित स्वास्थ्य जाँच करायें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल आमजन को स्वास्थ्य सुविधा देना बल्कि उन्हें समय रहते रोगों की पहचान कराना एवं रोकथाम हेतु मदद पहुंचाना है।

संभागायुक्त की अध्यक्षता में विमानतल पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में गत दिवस सभी स्टेकहोल्डर के साथ विमानतल पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में एडीएम रोशन राय, विमानतल निदेशक विपिनकांत सेठ, सीनियर कमांडेंट सीआईएसएफ दलाई, एसीपी विवेक चौहान, सीएमएचओ बी.एस. सैत्या, एयरपोर्ट मैनेजर अमोल ठाकुर और नगर निगम, बीएसएफ और विमानतल सुरक्षा संबंधी अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त सिंह ने कहा कि पंछियों के हवाई जहाज से टकराने के कारण होने वाले हादसे के संबंध में 10 किलोमीटर की परिधि में आने वाले क्षेत्र में सोशल मीडिया के माध्यम से अवेयरनेस का काम किया जाए। बिजासन टेकरी के मेला क्षेत्र के सफाई को लेकर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देश दिए गए। वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गये कि प्रचालन क्षेत्र में मिलने वाले सियार, जंगली बिल्ली जैसे वन्य जीवों के नियंत्रण के लिए विमानतल प्रबंधन की सहायता करें और इन जीवों को रिलोकेट करें।

संभागायुक्त सिंह ने बताया कि प्रथम शिविर 5 जून को बाल विनय मंदिर स्कूल नेहरू नगर में आयोजित होगा। दूसरा शिविर 9 जून को सीएम राइज स्कूल नंदानगर में, तीसरा शिविर 10 जून को सन्मति स्कूल रेसीडेंसी एरिया में होगा। इसी प्रकार 11 जून को महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज राजेन्द्र नगर, 12 जून को कन्केवश्वरी स्कूल नंदानगर, 14 जून को एडवांस एकेडमी निपानिया, 16 जून को जिला अस्पताल धार रोड, 18 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाणगंगा, 21 जून को यूपीएचसी गुमास्ता नगर, 23 जून को बिचौली हप्सी पीएचसी एवं स्कूल, 26 जून को खजराना गणेश मंदिर, 28 जून को यूपीएचसी खजराना और 30 जून को गांधी हॉल में संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर आयोजित किये जाएंगे। अरबिंदो अस्पताल के संस्थापक डॉ. विनोद भण्डारी ने बताया कि विशेषज्ञ डॉक्टर शिविर में मौजूद रहकर निःशुल्क चिकित्सा परामर्श देंगे और आवश्यकता के अनुसार उपचार भी करेंगे।

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने बेचीं 4,65,115 यूनिट्स

गुरुग्राम। होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने आज मई 2025 के लिए अपनी बिक्री के आंकड़े घोषित किए। कंपनी की कुल बिक्री मई 2025 में 4,65,115 यूनिट्स रही। इसमें 4,17,256 यूनिट्स घरेलू बिक्री और 47,859 यूनिट्स निर्यात शामिल हैं। यह उल्लेखनीय है कि HMSI की YTD FY26 (अप्रैल 2025 – मई 2025) की कुल बिक्री 9,45,979 यूनिट्स रही है, जिसमें 8,40,155 यूनिट्स घरेलू बिक्री और 1,05,824 यूनिट्स निर्यात शामिल हैं। उत्पादः HMSI ने अपने बिगविंग पोर्टफोलियो को कई नए प्रीमियम मोटरसाइकिलों के लॉन्च के साथ मजबूत किया। कंपनी ने नई Rebel 500, X-ADV, CB750 Hornet, CB1000 Hornet SP और गोल्ड विंग टूर के 50वीं वर्षगांठ संस्करण का उद्घाटन किया। इसके अलावा, CB650R और CBR650R के E-Clutch संस्करण भी अब भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। होंडा ने 500 मिलियनवीं मोटरसाइकिल का उत्पादन करके एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार किया, जो कंपनी की पहली मास-प्रोड्यूस्ड मोटरसाइकिल 'ड्रीम D-Type' के 1949 में लॉन्च होने के 76 साल पूरे होने का प्रतीक है। इसके अलावा, HMSI ने भारत के अपने विथलापुर संयंत्र में उत्पादन क्षमता को बढ़ाते हुए एक नई उत्पादन लाइन जोड़ने की घोषणा की। होंडा RC213V फिर से पियरे के साथ शीर्ष पर पहुंचा, जहां जोहान ज़ार्को ने फ्रेंच GP की एक नाटकीय रेस में ऐतिहासिक जीत हासिल की, जबकि लुका मारीनी शीर्ष दस में शामिल होने के करीब रहे। CASTROL होंडा LCR राइडर जोहान ज़ार्को ने फ्रांसीसी ग्रां प्री में अपनी 150वीं MotoGP रेस में जीत दर्ज की, जो उनके लिए घर पर लंबी प्रतीक्षित जीत थी।

इस आउटरीच का उद्देश्य पारंपरिक कृषि पद्धतियों से उच्च- तकनीकी समाधानों तक

ग्रामीण वित्तपोषण को बढ़ावा देने के लिए पीएनबी ने किया मासिक कृषि आउटरीच कार्यक्रम का शुभारंभ

एजेंसी ● नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक 2 जून, 2025 को अपने मासिक राष्ट्रव्यापी कृषि आउटरीच कार्यक्रम के आयोजन के लिए तैयार है। देश भर में कृषि से संबंधित समुदायों का सहयोग करने के उद्देश्य से इस पहल का आयोजन हर माह के प्रथम दिवस पर किया जाएगा जो किसानों और कृषि कारोबार के साथ निरंतर जुड़ाव सुनिश्चित करेगा। यह कार्यक्रम पारंपरिक कृषि पद्धतियों से आधुनिक उच्च-तकनीकी समाधानों तक कृषि संबंधी व्यापक आवश्यकताओं हेतु वित्तपोषण के बारे में जागरूकता और पहुंच बढ़ाने का प्रयास करेगा। पीएनबी ग्रामीण वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए, कृषि चौपालों, डिजिटल ज़ोन और पीएनबी बूथों के माध्यम से इस आटरीच को सुगम बनाएगा।

आउटरीच कार्यक्रम के प्रमुख फोकस क्षेत्रः स्वयं सहायता समूह (एसएचजी): कारोबार उद्यमों के विस्तार को सक्षम बनाने के लिए माइक्रो क्रेडिट प्लान-आधारित वित्तपोषण के साथ एसएचजी को सुदृढ़ बनाना।

कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ): उत्पादकता और बाजार तक पहुंच को बढ़ावा देने हेतु फार्म मशीनीकरण, भंडारण सुविधाओं, कोल्ड स्टोरेज और कस्टम हायरिंग इकाइयों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई): देश के आधारभूत ढांचे के उन्नयन, बेहतर गुणवत्ता मानकों और बाजार विस्तारण के लिए सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं को अनुदान, ऋण और सब्सिडी का प्रावधान।

अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रः नवाचार और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय पशुधन मिशन, सटीक खेती, उच्च प्रौद्योगिकी कृषि और खाद्य एवं कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को सहायता करना। पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र ने भारत के कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए बैंक के समर्पण पर बल देते हुए इस पहल पर कहाः 'कृषि हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है। हम किसानों और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं।

प्रथम स्वर्गीय जी एस पठानिया मेमोरियल अंडर -15 बॉयज क्रिकेट टूर्नामेंट

भोपाल। अभय गोस्वामी क्रिकेट अकादमी द्वारा भेल स्थित जवाहर लाल नेहरू स्कूल में आज प्रथम स्वर्गीय श्री जी एस पठानिया मेमोरियल अंडर -15 बॉयज क्रिकेट टूर्नामेंट मे आज का मैच रेलवे गर्वित और सिली पॉइंट के बीच खेला गया। सिली पॉइंट क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सिली पॉइंट क्रिकेट अकादमी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए युग के 55 रन और अनिकेत के 24 रन की बदौलत 40 ओवर में 152 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। रेलवे गर्वित की तरफ से गेंदबाजी करते हुए अनंव ने 21 रन देकर 3, अभिराज ने 27 रन देकर 2 विकेट लिए।

जवाबी पारी खेलने उतरी रेलवे गर्वित की टीम ने 12.5 ओवर में बगैर विकेट खोए 153 रन बनाकर यह मैच 10 विकेट से जीत लिया। अभिराज ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए नाबाद 102 रन बनाए जबकि शिवम ने नाबाद ने 26 रन बनाए। रेलवे गर्वित के अभिराज को दोहरे प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

गुमशुदा नाबालिग बालिका को सकुशल परिजनों को सौंपा

संवाददाता ● भोपाल

रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा निरंतर सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में "ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते" के तहत भोपाल रेल मंडल में एक और मानवीय पहल सफलतापूर्वक अंजाम दी गई। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 2/3 पर तैनात आरपीएफ स्टाफ आरक्षक योगेन्द्र शर्मा को एक नाबालिग बालक अकेला और परेशान अवस्था में मिला। पूछताछ करने पर बालक ने अपना नाम हर्षित विश्वकर्मा, उम्र 17 वर्ष, निवासी भोपाल बताया। बालक ने यह भी बताया कि उसका अपनी बहन से झगड़ा हो गया था, जिससे आहत होकर वह घर से बाहर निकल आया।

रेल सुरक्षा बल द्वारा तत्परता दिखाते हुए बालक को तत्काल आरपीएफ पोस्ट, भोपाल लाया गया, जहां एसआईपीएफ संध्या चौधरी ने बच्चे से शांतिपूर्वक पूछताछ की और उसके बताए गए पते की पुष्टि की। बालक की जानकारी मिलने पर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के सदस्य श्री धनीराम पवार को मोबाइल के माध्यम से सूचित किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि सीडब्ल्यूसी के निर्देशानुसार नाबालिग बालक को उचित दस्तावेजी प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। यह कार्यवाही 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के अंतर्गत रेलवे की सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी के निर्वहन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा एवं उनके परिजनों से पुनर्मिलन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' जैसे अभियान इस बात का प्रतीक हैं कि रेलवे केवल यात्रा का माध्यम ही नहीं, बल्कि जीवन से जुड़ी संवेदनाओं का संरक्षक भी है।

हायर एजुकेशन विभाग ने लागू किया नया नियम

दूसरे राज्यों छात्रों को सरकारी कॉलेज में एडमिशन के लिए लेना होगा पात्रता प्रमाण पत्र

संवाददाता ● इंदौर

दूसरे प्रदेशों से पास होकर आए छात्रों के लिए मध्य प्रदेश की यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने के लिए अब संघर्ष करना होगा। बताया जा रहा है कि नए सत्र 2025-26 से सरकारी कॉलेज में कॉलेजों में अंडर ग्रेजुएट (यूजी) और पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) कोर्स में प्रवेश के लिए नए नियम लागू कर दिए हैं। अब अन्य राज्यों के छात्रों को किसी भी शासकीय कॉलेज में एडमिशन से पहले संबंधित विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण पत्र (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) लेना अनिवार्य होगा। यह प्रमाण पत्र मिलने के बाद ही छात्र ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार पात्रता प्रमाण पत्र बनवाना तो पूर्व में भी जरूरी था लेकिन अब इसे एडमिशन के पहले ही बनाने का नियम लागू किया गया है। इस बदलाव का उद्देश्य अपात्र छात्रों को एडमिशन लेने से रोकना और प्रवेश प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना है। यूनिवर्सिटी में फिलहाल छात्रों को पात्रता प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा रहा है, जिससे छात्र परेशान हैं। इधर यूनिवर्सिटी अधिकारियों का कहना है कि उन्हें उच्च शिक्षा विभाग से इस संबंध में समय पर निर्देश नहीं मिले हैं। हालांकि ऑनलाइन आवेदन के लिए सॉफ्टवेयर में जरूरी बदलाव किए जा चुके हैं। जल्द ही आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही छात्रों को ऑनलाइन पात्रता प्रमाण पत्र डाउनलोड करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

नियम

एमपी बोर्ड वालों को जरूरी नहीं

जानकारी अनुसार उच्च शिक्षा विभाग से अनुमति प्राप्त छात्रों को पात्रता प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होगी, लेकिन नए नियमों के तहत अब यह प्रमाण पत्र फिर से अनिवार्य हो गया है। मध्यप्रदेश के मूल निवासी जिन छात्रों ने बोर्ड, सीबीएसई, एमपी आइसीएसई या राज्य शासन से मान्यता प्राप्त किसी बोर्ड से 12वीं पास की है, उन्हें पात्रता प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होगी। वहीं, व्यावसायिक कोर्स से 12वीं या आइटीआई करने वाले अथवा 11वीं के बाद स्नातक में प्रवेश लेने वाले छात्रों को पात्रता प्रमाणपत्र लेना होगा।

मंत्री सिलावट बोले- सिंहस्थ में इसी रास्ते से जुटेगी सबसे ज्यादा भीड़

मांगलिया स्टेशन से ट्रैफिक डायवर्ट करने की तैयारी

फाटक बंद करके ओवरब्रिज को देंगे आकार

संवाददाता ● इंदौर

बैठक

पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के मांगलिया स्टेशन के पास फाटक नंबर 45 को बंद कर रोड ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है। इसी वजह से इस रास्ते को बंद कर ट्रैफिक को दूसरे रास्तों से डायवर्ट करने की योजना बनाई जा रही है। इस बारे में रविवार को जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने रेसीडेंसी कोठी में अधिकारियों की बैठक ली।

इस बैठक में लोक निर्माण विभाग, रेलवे, नेशनल हाईवे अथॉरिटी, बीपीसीएल, पुलिस, निर्माण एजेंसी के अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। मंत्री सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रैफिक डायवर्ट किए जाने वाले रास्तों का अच्छे से सर्वे करें और वहां आने वाली दिक्कतों को दूर करें। खराब रास्तों की मरम्मत कर गड्ढे ठीक करें। साथ ही, डायवर्ट किए गए रास्तों पर स्टॉपर और बैरिकेडिंग लगाएं ताकि ट्रैफिक में परेशानी न हो। मंत्री ने कहा कि वैकल्पिक रास्तों पर लोगों को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। हतुनिया, सांवेर बायपास, मांगलिया और शिप्रा इलाके में साइन बोर्ड और सूचना के बोर्ड लगाकर लोगों को समय-समय पर जानकारी देते रहें। जनता को भी बताया जाए कि ये काम उनकी सुविधा के लिए हो रहा है। सिलावट ने रेलवे अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को कहा कि काम में इस्तेमाल होने

वाली सामग्री की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए और इसमें कोई कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ 2028 के दौरान इस रोड पर ज्यादा ट्रैफिक रहेगा, इसलिए काम समय पर और अच्छी क्वालिटी से होना जरूरी है।

ऐसा रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन प्लान

तराना- मांगलिया : व्यासखेड़ी मार्ग को ग्राम हतुनिया से मांगलिया तक बंद रखा जाएगा।

वैकल्पिक रास्ता होगा : मांगलिया से नेशनल हाईवे 52, फिर शिप्रा (बूढ़ी बरलाई) होते हुए हतुनिया और सांवेर तक।

जो ट्रक एचपीसीएल, आइओसीएल, बीपीसीएल के ज्वलनशील पदार्थ ले जाते हैं, वे अब मांगलिया से नेशनल हाईवे 52 होते हुए शिप्रा (देवास) मार्ग से NH752D (शिप्रा-उज्जैन बायपास रोड) से उज्जैन जाएंगे।

शॉर्ट न्यूज

दो लाख की ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने राजस्थान से ब्राउन शुगर लाकर इंदौर में बेचने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर 20 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत दो लाख रूपए है। क्राइम ब्रांच की टीम संदिग्ध की चेकिंग करते एम आर 10 ब्रिज के नीचे रेलवे पटरी के पास में एक युवक संदिग्ध दिखा। जो पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे पीछा कर पकड़ा गया।पूछताछ में उसने अपना नाम विशाल कुमार 30 साल निवासी मूसाखेड़ी बताया। तलाशी लेने पर इसके पास से 20 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है। आरोपी विशाल 12वीं तक पड़ा है और गैस टंकी की लोडिंग रिक्शा चलाता है। पूछताछ में उसने बताया कि नशा करने का आदि है नशे की लत पूरी करने के लिए ब्राउन शुगर खरीद कर लाता और महंगे दामों में नशे के आदि लोगों को बेचता था। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

इंदौर। देर रात पलासिया थाना क्षेत्र में बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक का नाम धर्मेंद्र पिता मिश्रीलाल 27 साल निवासी नंदनगर है। पुलिस के मुताबिक घटनारात्रि 1:10 बजे विनोबा नगर के पास हुई। बताया जाता है कि धर्मेंद्र अपनी मोटरसाइकिल से घर जा रहा था तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सूचना मिलती ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे बड़े अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों से मृत घोषित किया। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसी टीवी फुटेज चेक कर रही है ताकि वाहन चालक का पता किया जा सके। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। आज सुबह खंडवा रोड पर रफ्तार में दौड़ रहे ट्रक ने लोडिंग रिक्शा को टक्कर मार दी जिसमें वह पलटी खा गया। हादसे में ड्राइवर नारायण पिता बद्री लाल गोस्वामी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

किन्नर पर दूसरे गुट ने हमला कर लाखों के जेवर छीने

इंदौर। बीती रात विजय नगर इलाके में एक किन्नर को दूसरे गुट के किन्नर और उनके साथियों ने रोका और चाकू दिखाकर जेवर और नकदी छीनकर उस पर हमला किया और फरार हो गए। घटना न्यू अंजली नगर में हुई। फरियादी किन्नर करिश्मा पिता राधेश्याम 33 साल निवासी न्यू अंजली नगर ने पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मुझे सपना हाजी पति मोहम्मद राजा हाशमी निवासी जनकपुरी कॉलोनी और उनके साथियों ने रोक लिया और कहा कि तू हम लोगों को छोड़कर क्यों गई और तभी मोहम्मद राजा हाशमी ने चाकू दिखाकर कहा कि हमारा खर्चा को कैसे चलेगा बोलकर जितने भी जेवर पहले है उतार दे और नकदी दे दे मैं डर गई और सोने की चार चूड़ियां एक ब्रेसलेट सोने की चार चैन, अंगूठियां सोने की एक घड़ी और नकदी रुपए दे दिए इसके बाद सभी ने डंडे और चाकू से हमला किया और धमकी देकर भाग गए। विजय नगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हमले और लूट सहित करने धाराओं में केस दर्ज किया।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों की अब खैर नहीं

5 चौराहों पर ड्रोन से काटेंगे चालकों के चालान

संवाददाता ● इंदौर

नियम

शहर की सड़कों पर बेतरतीब दौड़ रहे ट्रैफिक को सुधार नहीं पाने वाली पुलिस ने वाहनों का चालान बनाने का नया तरीका ढूंढा है। बताया जा रहा है कि ट्रैफिक पुलिस नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों का ड्रोन इस्तेमाल कर चालान बनाने की तैयारी में है। पुलिस ने ड्रोन से चालान बनाने के लिए फिलहाल शहर के व्यस्ततम पांच चौराहों का चयन किया है। इनमें दो चौराहे पूर्वी क्षेत्र और तीन पश्चिम क्षेत्र के हैं। सामने आया है कि पलासिया, रेडिसन, आईटी पार्क, भंवर कुवा और बड़ा गणपति इन पांच चौराहा पर ड्रोन से चालान काटने की तैयारी की है। जानकारी अनुसार ड्रोन तकनीक से चालान काटने के पीछे पुलिस का तर्क है कि इससे ट्रैफिक दुरुस्त होगा। ड्रोन से चालान ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के लिए भय का कारण भी साबित होगा। इससे लोग ट्रैफिक नियम तोड़ने से बचेंगे। हालांकि शहर के बेतरतीब दौड़ रहे ट्रैफिक को यदि पुलिस दुरुस्त करवा दे तो वैसे ही चालान बनाने की नौबत नहीं आएगी। पुलिस वैसे भी ट्रैफिक पर ध्यान न देते हुए अधिकांश चौराहों पर सिर्फ चालान काटते हुए देखी जा सकती है। वैसे भी शहर में चौराहों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरा से प्रतिदिन करीब 3000 चालान बनाए जा रहे हैं। इस इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) से बनाए गए चलानों में करीब 60 फीसदी लोग चालान राशि जमा नहीं कर रहे हैं। ऐसे लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस भी निरस्त करने के लिए पुलिस बार-बार कार्रवाई कर रही है।

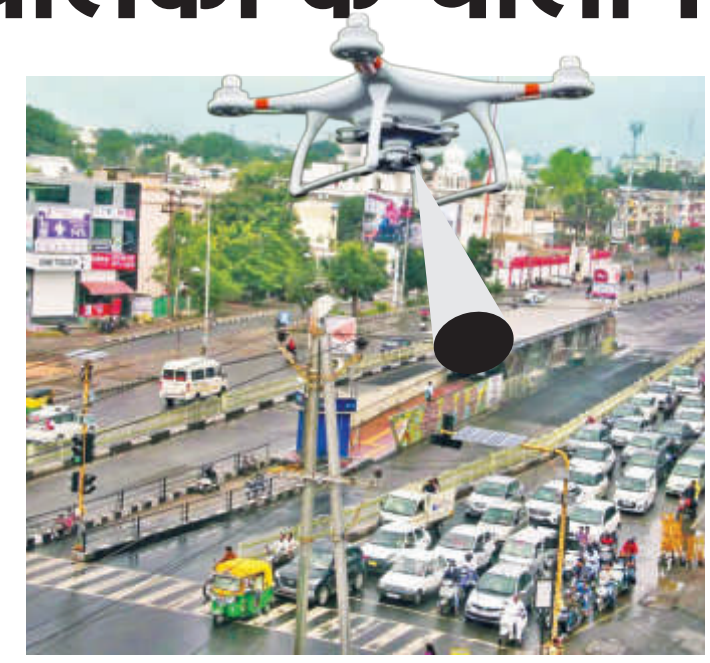

तुरंत राशि जमा करने के लिए कार्रवाई

बताया जा रहा है कि ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले लोग चालान की राशि जमा नहीं कर रहे हैं साथ ही ऐसे वाहन चालक जो पुलिस को चकमा देकर भाग निकलते हैं ऐसे वाहन चालकों से तुरंत मौके पर ही राशि जमा करने के लिए ड्रोन की मदद ली जा रही है। यह भी तर्क सामने आया है कि जैसे ही वाहन चालक सिग्नल या नियम तोड़कर आगे बढ़ेगा उसी चौराहे पर तैनात पुलिसकर्मी द्वारा आगामी चौराहे पर तैनात पुलिस जवान को सतर्क कर वाहन चालक से मौके पर ही चलानी राशि जमा करवाई जाएगी।

बगैर पैसा लिए काम करेगी ड्रोन एजेंसी

बताया जा रहा है कि ड्रोन से चालान बनाने के लिए एक एजेंसी एक सामने आई है जो ड्रोन ऑपरेट करेगी लेकिन किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लेगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कुछ समय पूर्व पूर्वी क्षेत्र के व्यस्ततम रसमा चौराहे पर ड्रोन से चालान बनाने की प्रैक्टिस की गई। यहां अधिकतम सफलता मिलने के बाद अब इस प्रकार का प्रयोग शहर के चुनिंदा अन्य चौराहों पर भी किए जाने की तैयारी की जा रही है। इसका मतलब यह निकाला जा सकता है कि नगर निगम की तरह पुलिस ने भी शहर को प्रयोग स्थल बना रखा है, पूरे स्थल अर्थात शहर में जहां मर्जी चाही वैसे वाहन चालकों के चालान बनाने की तैयारी कर ली।

25 वाटर एटीएम लगाने के लिए कोई एजेंसी तैयार नहीं

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम द्वारा शहर में 25 वाटर एटीएम लगाने का फैसला लिया गया है। इस काम को स्मार्ट सिटी के द्वारा करवाया जा रहा था। लेकिन कलेक्टर द्वारा स्मार्ट सिटी के धन का उपयोग नही करने पर के निर्देश पर अब इस काम को निगम का जल यंत्रालय करवाएगा। लेकिन इस काम को करने के लिए कोई एजेंसी नही मिल रही है। नगर निगम द्वारा गर्मी का मौसम शुरू होने से पहले ही फैसला लिया गया था कि शहर में 25 स्थानों पर वाटर एटीएम लगाए जाएंगे। इन स्थानों से नागरिकों को बहुत कम कीमत पर ठंडा जल और शुद्ध जल उपलब्ध हो सकेगा। इसके लिए निगम द्वारा एजेंसी के चयन की प्रक्रिया को शुरू किया गया था। इस प्रक्रिया में शर्त रखी गई है कि जो कंपनी वाटर एटीएम लगाने का काम करेगी उसे ही 10 साल तक इसका संचालन संधारण भी करना पड़ेगा। यह कार्य स्मार्ट सिटी कंपनी के माध्यम से किया जा रहा था। पिछले दिनों हुई स्मार्ट सिटी कंपनी के बोर्ड की बैठक में अध्यक्ष कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा इस काम पर आपत्ति ली गई थी। उन्होंने कहा था कि यह कार्य स्मार्ट सिटी कंपनी के धन का दुरुपयोग है। ऐसे में इस कार्य को करने के लिए मंजूरी नहीं दी जा सकती है। स्मार्ट सिटी कंपनी से इस प्रोजेक्ट को नकार दिए जाने के बाद अब नगर निगम द्वारा इस कार्य को जल यंत्रालय के माध्यम से करने की पहल की जा रही है। इसके लिए निगम द्वारा ठेकेदार एजेंसी के चयन की प्रक्रिया को फिर से शुरू किया गया है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया विकास योजनाओं का लोकार्पण

वार्ड 50 में डेढ़ करोड़ की स्टॉर्म वॉटर लाइन कार्य का भूमिपूजन

संवाददाता ● इंदौर

अवसर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने विधानसभा पांच के वार्ड 50 में डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली स्टॉर्म वॉटर लाइन कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि हमें विकास को चरणबद्ध तरीके से समझना होगा। उन्होंने बताया कि 25 वर्ष पहले इंदौर में सड़कों की स्थिति बेहद खराब थी। पहले चरण में भारतीय जनता पार्टी की नगर निगम सरकार ने शहर में सड़क निर्माण का कार्य किया। दूसरे चरण में ड्रेनेज लाइन का कार्य हुआ, तीसरे चरण में नर्मदा जल की पाइपलाइन बिछाई गई और घर-घर पानी पहुंचाया गया। अब चौथे चरण में शहर की जल वितरण प्रणाली को मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है।

महापौर ने वार्ड 50 की सड़कों की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए एक करोड़ रुपये की अतिरिक्त घोषणा की। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य है कि जलभराव की समस्या को पूरी तरह समाप्त किया जाए। इसके लिए शत-प्रतिशत स्टॉर्म वॉटर कवरेज अनिवार्य है, और नगर निगम इस दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है।'

जहां-जहां गंभीर समस्या है, वहां प्राथमिकता के आधार पर काम किया जा रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में इंदौर में 1100 किलोमीटर लंबी पीने के पानी की पाइपलाइन बिछाई गई है, जिससे आने वाले कई वर्षों तक शहरवासियों को पानी की समस्या से राहत मिलेगी। साथ ही, करीब 900 किलोमीटर की ड्रेनेज लाइन का कार्य पूरा किया जा चुका है, ताकि ड्रेनेज संबंधी परेशानियों से मुक्ति मिले। महापौर ने बताया कि इंदौर के इतिहास में पहली बार एक साथ 23 मास्टर प्लान की सड़कें बन रही हैं। साथ ही, यातायात को सुगम बनाने के लिए 22 छोटे-बड़े पुल-पुलियों का निर्माण भी किया जा रहा है, जो जल्द ही इंदौरवासियों को समर्पित किए जाएंगे। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य वार्ड 50 के पार्षद राजीव जैन सहित स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डाक टिकट सिक्का जारी होने पर मनेगा जश्न

संवाददाता ● इंदौर

भाजपा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा, जिला अध्यक्ष किरण सूर्यवंशी, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा और जिला अध्यक्ष मनोज सिंह ठाकुर ने बताया कि पुण्य श्लोक, लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 300 वीं जन्म जयंती के अवसर पर डाक टिकट, स्मारक सिक्का और इंदौर मेट्रो ट्रेन के गांधी नगर टर्मिनल का नाम देवी अहिल्याबाई किए जाने पर भाजपा द्वारा मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, सभी विधायक और नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा की उपस्थिति में आज 02 जून को शाम 4 बजे राजवाड़ा चौक पर जश्न मनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार व्यक्त करेंगे। नेताओं ने बताया कि देवी अहिल्याबाई हमारे इंदौर का गौरव है, अहिल्याबाई की दूरदृष्टि के फलस्वरुप इंदौर का चहुंमुखी विकास सम्भव हुआ है, उनकी 300 वीं जन्म जयंती के अवसर पर भोपाल में आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देवी अहिल्या बाई पर डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया।

मौसम की मार से ईंट भट्टे वीरान निर्माण कार्यों की रफ्तार धीमी

संवाददाता ● इंदौर

मौसम की मार से राज्य के ईंट निर्माताओं को करोड़ों की आर्थिक क्षति पहुंची है। शहर के 600 से अधिक ईंट भट्टों पर पकने के लिए रखी गई मिट्टी की ईंटें मलबे में बदल गई है, जिससे निर्माण कार्यों की रफ्तार भी धीमी पड़ गई है। ईंट भट्टा संचालक पहले ही कर्ज से लदे हुए हैं। अब प्राकृतिक आपदा के कारण शहर के विकास कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। ईंट भट्टा संचालकों में भी फिर से उठ खड़े होने की ताकत नहीं बची है। नगरीय प्रशासन

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस स्थिति में ईंट भट्टा संचालकों को आश्वस्त किया है कि पीड़ित भट्टा संचालकों को शासन-प्रशासन से हरसंभव सहायता दिलाई जाएगी। म.प्र. ब्रिक्स मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश प्रजापति, संरक्षक मांगीलाल रेडवाल व रमेशचंद्र कश्यप के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने विजयवर्गीय से भेंट कर उन्हें कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा और हाल ही अतिवृष्टि से हुई तबाही का पूरा ब्यौरा दिया। विजयवर्गीय को बताया गया कि हर सीजन में भट्टा संचालक कर्ज लेकर अपना ईंट निर्माण का कुटीर उद्योग चलाते हैं, लेकिन इस बार हुई तबाही ने ईंट निर्माताओं की कमर तोड़ दी है। शहर के 600 भट्टों पर रखी कच्ची ईंटें मलबे में बदल गई। इस कारण निर्माण कार्य भी ठप पड़ गए हैं । अनेक भट्टों पर मलबे का ढेर अभी भी नहीं हटाया जा सका है।

ज्यादा नहीं रहेगा तापमान, तेज हवा के साथ हल्की बारिश के आसार, इस सप्ताह रहेगा बादलों का आवागमन

सुबह पहले छाए रहे बादल फिर तेज धूप ने दी दस्तक

संवाददाता ● इंदौर

रिकॉर्ड

शहर में आज सुबह बादल छाए रहे, फिर धूप खिली। इसके साथ ही धूप और बादलों का दौर जारी है। इससे पहले, रविवार को मौसम साफ रहने के साथ बादल भी छाए लेकिन बारिश नहीं हुई। इस दौरान दिन का तापमान 35.2 (-5) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रात का तापमान 23.2 (-2) डिग्री सेल्सियस रहा। इस तरह अभी दिन का तापमान सामान्य से 5 डिग्री कम और रात का तापमान सामान्य से 2 डिग्री कम रहा। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है एक हफ्ते अभी हल्की बारिश

ही हो सकती है। दरअसल, अरब सागर से आया सिस्टम कमजोर हो गया है। यह महाराष्ट्र में तो एक्टिव है लेकिन आगे नहीं बढ़ रहा है। अब जब तक नया सिस्टम एक्टिव नहीं होता बारिश के लिए इंतजार करना पड़ेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक अभी तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हैं। इसका असर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा और हल्की बारिश-आंधी का दौर रहेगा। इंदौर में हवा चलने के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

12 महीनों में जून ही एक मात्र ऐसा महीना है, जिसमें मौसम के सभी रंग देखने को मिलते हैं। जब कभी तपता है यह महीना तो तापमान 44 डिग्री तक भी पहुंच जाता है। अगर लगातार 2 से 4 दिन पानी बरस जाए तो वातावरण में ठण्डक भी घुल जाती है। इस बार मई में 8.1 इंच पानी बरसने के बाद जून की शुरुआत में बारिश नहीं होगी। मौसम वैज्ञानिक अजय कुमार शुक्ला के मुताबिक अभी एक हफ्ते तक तेज बारिश के आसार नहीं हैं। इस दौरान हल्के बादल छाए रहेंगे, जिससे धूप से राहत मिलती रहेगी। क्षेत्र विशेष में गर्मी, उमस की वजह से हलकी बारिश हो सकती है, लेकिन मानसूनी बारिश के आसार कम ही हैं। राहत की बात यह है कि अधिकतम तापमान सामान्य से कम ही रहने वाला है। इंदौर में न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने की संभावना है जबकि अधिकतम तापमान 30 डिग्री तक जा सकता है। दिन भर में औसतन पारा 32.8 डिग्री सेल्सियस तक बना रहने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा, पश्चिमी हवा की गति 18.5 किमी के आसपास रहेगी. हवा 37 किमी की स्पीड के साथ लगभग 30 डिग्री पर चलेगी।

समझना होगा कि हम मशीनों पर गुस्सा नहीं कर सकते

डिंग डॉन्ग.. दरवाजे बाईं ओर खुलेंगे क्या ये आवाज और इस घोषणा से आप परिचित हैं? जी हां, ये आम तौर पर मेट्रो ट्रेन में सुनाई देती है। इस शनिवार को जब बेंगलुरु में ग्रीन लाइन मेट्रो सर्विस के वाजरहल्ली स्टेशन पर मेट्रो रुकी तो बिल्कुल ऐसी ही घोषणा हुई।यात्रियों ने धैर्य से दरवाजे खुलने का इंतजार किया, क्योंकि ट्रेन के पूरी तरह से रुकने के कुछ सेकंड बाद सिस्टम दरवाजे खोलता है। लेकिन किसी अज्ञात तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो के कुछ दरवाजे नहीं खुले। ट्रेन चल पड़ी, जैसे हर स्टॉप के बाद चलती है, बिना यह जाने कि पीछे के डिब्बों में कोई तकनीकी खराबी आ गई है।

उतरने को बेताब यात्री स्तब्ध रह गए, उन्होंने वहीं किया, जिसमें वो अच्छे हैं- घबरा गए! इसके बाद कुछ यात्रियों ने दिमाग में खुराफाती विचारों के साथ चीखना शुरू कर दिया और भीड़ भी उनके पीछे हो चली। किसी ने नहीं सोचा कि ये तर्कसंगत है भी या नहीं। और बेंगलुरु भी कोई अलग नहीं था। घबराए यात्री तेजी से भाग कर मेट्रो पायलट (मेट्रो ट्रेन के चालक को पायलट कहा जाता है) के केबिन के पीछे वाले लेडीज कोच में पहुंचे और पायलट केबिन का दरवाजा पीटना शुरू किया, जैसे वो किसी ऐसे ह्यघोड़े बेचके सोने वालेह्न रूममेट को जगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे यह पता नहीं कि घर में आग लगी है। धक्कामुक्की और हंगामे से डरे पायलट ने सोचा कि कुछ भयंकर हुआ है और उसने ब्रेक लगा दिए, जिससे ट्रेन एक निर्जन से स्थान पर जाकर रुक गई। जैसे ही उसने सावधानी से अपने केबिन का गेट खोला, उसके सामने गुस्साए यात्री खड़े थे, जो इस बात का जवाब मांग रहे थे कि क्यों उन्हें पिछले स्टेशन पर नहीं उतरने दिया गया।

इसके बाद कुछ मिनटों तक तीखी नोकझोंक हुई। और आप जानते हैं कि जब भीड़ एकत्रित होती है तो कोई एक व्यक्ति तर्कसंगत तरीके से बात नहीं कर सकता। पायलट ने यह समझाने की विफल कोशिश की कि उसे पीछे हुई समस्या के बारे में पता नहीं था और जब यात्री उसके केबिन के दरवाजे को पीटने लगे तो उसने ब्रेक लगाए। चूंकि वह ट्रेन को वापस पीछे नहीं ले जा सकता था, इसलिए पायलट ने सभी यात्रियों से अपने-अपने डिब्बों में लौटने के लिए कहा।

इसके बाद कुछ मिनटों तक तीखी नोकझोंक हुई। और आप जानते हैं कि जब भीड़ एकत्रित होती है तो कोई एक व्यक्ति तर्कसंगत तरीके से बात नहीं कर सकता। पायलट ने यह समझाने की विफल कोशिश की कि उसे पीछे हुई समस्या के बारे में पता नहीं था और जब यात्री उसके केबिन के दरवाजे को पीटने लगे तो उसने ब्रेक लगाए। चूंकि वह ट्रेन को वापस पीछे नहीं ले जा सकता था, इसलिए पायलट ने सभी यात्रियों से अपने-अपने डिब्बों में लौटने के लिए कहा।

पायलट ने यात्रा फिर शुरू की और अगले स्टेशन पर ट्रेन रोक दी। वही आंदोलनरत यात्री तत्काल इकट्ठा हो गए, पायलट के केबिन की ओर भागे और प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर उससे गलती के लिए स्पष्टीकरण मांगने लगे।

उनमें से कुछ पिछले स्टेशन पर वापसी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए भी कह रहे थे। लोको पायलट ने पूरा मामला स्टेशन कंट्रोलर को रिपोर्ट किया, जिसने आकर स्थिति संभाली और वापसी की यात्रा में यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने में यथासंभव सहायता की।

भारत में अभी 17 शहरों में 17 मेट्रो रेल सिस्टम संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल परिचालन दूरी 939.18 किमी की है। 2025 के अंत तक 18वीं ऐसी सेवा की शुरूआत के साथ ही कुल परिचालन दूरी 1000 किलोमीटर से अधिक हो जाएगी, जिससे हमारा मेट्रो सिस्टम दुनिया का तीसरा सबसे लंबा सिस्टम बन जाएगा। भारत में अर्बन रेल ट्रांजिट सिस्टम का पहला प्रकार उपनगरीय रेल थी, जो 16 अप्रैल 1853 को तत्कालीन बॉम्बे (आज के मुम्बई) में बनी था। कोई यह भी नहीं भूल सकता कि हमारे पास 1873 में कलकत्ता (आज के कोलकाता) में घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली ट्राम सेवा भी थी। आवागमन के मामले में तब से अब तक भारत मशीन और तकनीकी की सहायता से बहुत आगे बढ़ चुका है। विदेशों में ऐसी तकनीकी गड़बड़ियां सामान्य हैं। हाल ही मैंने ऐसी ही एक खराबी न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर देखी। वहां यात्रियों को जब ये बताया गया कि तकनीकी कारणों से एक सेवा कुछ घंटों के लिए अस्थायी रूप से बाधित रहेगी तो सभी यात्री शांति से स्टेशन के बाहर आ गए। फंडा यह है कि आप मशीनों पर नाराज नहीं हो सकते। तकनीकी और ऊर्जा पर चलने वाली मशीनों की दुनिया में गड़बड़ी तो होगी ही, भले ही बार-बार ना हो। हमें धैर्य विकसित करना होगा और सीखना होगा कि ऐसी स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया दें। अन्यथा ये दुनिया हम पर हंसेगी।

संत वचन

आज, चर्च एंटिओक के प्रसिद्ध सेंट इग्नाटियस का पर्व मनाता है, जो एक महान चर्च फादर और प्रारंभिक चर्च के प्रसिद्ध शहीदों में से एक थे, जिनका साहस, विश्वास और ईश्वर के प्रति समर्पण वास्तव में हम सभी के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादायक है। एंटिओक के संत इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के संत इग्नाटियस संत जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा।

असल लड़ाई पाकिस्तान से नहीं बल्कि उसकी फौज से है

भारत-पाकिस्तान संघर्ष केवल दो देशों की ही कहानी नहीं, बल्कि दोनों में स्थित दो भिन्न देशों की भी कहानी है। भारतीय उपमहाद्वीप का एक हिस्सा जहां आज भी विभाजन-पूर्व वाले भारत की स्थिति में भरोसा करता है, बल्कि यों कहें कि उसी मानसिकता में रहता है, वहीं पाकिस्तान का एक हिस्सा भारत के साथ शांति की हर सम्भावना को खारिज करता है। न चाहते हुए भी इस विचारधारा को हमें जिहादी कहना पड़ेगा, क्योंकि इसे पाकिस्तानी सेना के आदर्श-वाक्य के तौर पर प्रस्तुत किया गया है- ईमान, तकवा, जिहाद-फि-सबिलिल्लाह। फौज का जो मूल आदर्श-वाक्य था- इत्तेहाद, यकीन, तंजीम- उसमें जिहाद नहीं था। इन दोनों पड़ोसी मुल्कों के बीच का अंतर उदभ्रान्त कर देने वाला है।

एडिट.नोट

एक शांति चाहने वाला भारत है, और पाकिस्तान में भी एक बड़ी असैन्य आबादी ऐसी ही होगी। लेकिन दूसरी तरफ युद्धलिप्सा से भरा, हिंदू विरोधी और भारत विरोधी पाकिस्तान भी है। इस दूसरे वाले पाकिस्तान में उसकी फौज की अगुवाई में नियमित और अनियमित वदीर्धारी सैनिक हैं, जिन्हें एक विशेष विचारधारा में प्रशिक्षित किया गया है।

पाकिस्तान की इस खंडित मानसिकता का असर उसके समाज के सभी वर्गों में फैला हुआ नजर आता है। एक ओर व्हिस्की पीने वाले अय्याश जनरल हैं तो दूसरी ओर जंग में कुर्बान कर देने के लिए मदरसों में ब्रेनवॉश्ड किए गए लोग। एक तरफ कुलीन तबका है, जो मजहबी कट्टरता का पोषक है, तो दूसरी तरफ गरीब और हताश निचला तबका, जिनका वे अपने मनसूबे पूरे करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। लेकिन सवाल है कब तक? ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब आगे क्या? इस बारे में एक विश्वसनीय एक्शन-प्लान सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल पी. रविशंकर ने प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि आप पाकिस्तानी फौज को जंग के मोर्चे के बजाय सियासी और कूटनीतिक तौर पर कहीं बेहतर मात दे सकते हैं। सनद रहे कि पाकिस्तान कोई ऐसा मुल्क नहीं है, जिसके पास फौज है। बल्कि वह फौज है, जिसके पास एक मुल्क है! फौज ही वहां रियल एस्टेट, कृषि और स्टील जैसे आर्थिक फैक्टरों को नियंत्रित करती है। घरेलू और विदेश नीति तय करती है। उसके पास हार को जीत में बदलने का दुष्प्रचार वाला हुनर भी है।

पाकिस्तान में एक सत्ता का केंद्र है और दूसरा प्रशासन का केंद्र है। सत्ता का केंद्र फौज है। 1947-1948, 1965, 1971 और 1999 जैसे किसी भी सैन्य-टकराव में हमने पाकिस्तान को भले हराया हो, लेकिन उसकी फौज को खत्म नहीं कर पाए। जनरल रविशंकर कहते हैं कि हर युद्ध के साथ फौज खुद को और मजबूत करती गई। भारत के खिलाफ हर सैन्य कार्रवाई पाकिस्तानी अवाम पर फौज के दबदबे को और बढ़ा देती है। यह दुष्चक्र लगातार दोहराया जाता है।

इस धूर्त संस्था को हराने के लिए भारत को पीडीईआई फॉर्मूला अपनाना चाहिए, यानी पोलिटिक्स, डिप्लोमेसी, इकोनॉमिक्स और इंफॉर्मेशन वारफेयर। ऐसी समग्र रणनीति ही कारगर होगी, जैसा कि भारत ने जल संधि करके किया। अनुच्छेद 370 हटाना मास्टर-स्ट्रोक था, जिसने पाक को बेहद तकलीफ दी। जहां तक पाकिस्तान के अंदरूनी हालात की बात है तो वह बारूद के ढेर पर बैठा है और केवल चिनगारी दिखाने की देरी है। कूटनीतिक मोर्चे पर प्रतिनिधिमंडल हमारा पक्ष रखने दुनिया में जा रहे हैं। इंफॉर्मेशन वारफेयर के मोर्चे पर जरूर हम पिछड़ रहे हैं। लेकिन विश्व में भारत का कद, चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जी-20, ब्रिक्स जैसे मंचों पर हमारी बुलंद आवाज हमारे प्रतिद्वंद्वी की तुलना में हमें बढ़त दिलाती है। पीडीईआई रणनीति से हम दूरगामी परिणाम हासिल कर सकते हैं।

शेखर गुप्ता-लेखक

ये कहना गलत कि हम दुनिया में अकेले पड़े

यहां हम जिस एन अक्षर का प्रयोग कर रहे हैं, वह न्यूक्लियर (परमाणु) हथियारों वाला ह्यएनह्न अक्षर नहीं है। यह नैरेटिव के लिए किया गया है। यह अक्षर इतना घिस-पिट चुका है कि मैं इसे न्यूजरूम में प्रतिबंधित करता रहा हूं। लेकिन इस लेख में जिस नैरेटिव की बात की जा रही है, उसके मामले में इसकी छूट दे रहा हूं। पहलगाम में हमला होने के तुरंत बाद ही फुसफुसाहट शुरू हो गई थी कि पूरी दुनिया पाकिस्तान की मलामत क्यों नहीं कर रही? यह शिकायत ऑपरेशन सिंदूर के साथ ही एक शोर में बदल चुकी थी कि हमें कोई इस ऑपरेशन पर शाबाशी क्यों नहीं दे रहा है? हमेशा की तरह पश्चिमी मीडिया पर उंगली उठाई जा रही थी कि वह हमारी सेना की कामयाबी की चर्चा क्यों कर रहा है। वे गोलमोल बातें कैसे कर सकते हैं और ऐसा कैसे कह सकते हैं कि हमें नुकसान हुआ है? फिर ट्रम्प इस कोलाहल में कूद पड़े और खलबली मच गई। इसका यही निष्कर्ष निकाला जाना था कि कोई भी हमारे साथ नहीं है और भारत को अकेले ही लड़ना है। पीड़ित होने का एहसास बहुत आकर्षक होता है, और कई पीढ़ियों से हमने इसे एक पुरानी बीमारी की तरह बना लिया है। लेकिन इसके साथ कई तथ्यात्मक समस्याएं जुड़ी हैं।

पहला तथ्य यह है कि 1965 को छोड़ कभी भी हम अकेले नहीं पड़े। 1971 में सोवियत संघ हमारे साथ संधि कर चुका मित्र-देश था। करगिल युद्ध हो या ऑपरेशन पराक्रम हो या 26/11 का हमला, हर मौके पर लगभग पूरी दुनिया हमारे पक्ष में थी। यहां तक कि चीन का रुख भी गोलमोल था। वैसे 1965 में भी सोवियत संघ भारत की तरफ आधा झुका ही हुआ था। मिग विमानों का हमारा पहला स्क्वाड्रन (युद्ध शुरू होने के समय नौ विमान तैयार थे) बन रहा था और दिल्ली के पास ही ह्यसैम-2 गाइडलाइनह्न मिसाइलें तैनात कर दी गई थीं। 1991 में सोवियत विघटन और हमारी अर्थव्यवस्था के रफ्तार पकड़ने के बाद पश्चिम से हमारे संबंध बेहतर होते गए।

1998 में पोकरण-2 के बाद से अमेरिका ने प्रतिबंधों को हटाने में देर नहीं की और भारत को रणनीतिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण मित्र-देश तथा परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्वीकारा। तब से उसने कश्मीर को लेकर कभी हमारे प्रतिकूल कोई बात नहीं की। 2000 में, भारत से अपने देश लौटते हुए बिल क्लिंटन ने पाकिस्तान के एक हवाई अड्डे पर थोड़ी देर के लिए रुकने के दौरान कैमरे के सामने अपनी उंगली हिलाते हुए पाकिस्तानियों से साफ कहा था कि इस क्षेत्र के नक्शे की रेखाओं को खून से नहीं बदला जा सकता। पाकिस्तान ने अमेरिका का सहारा खो दिया और चीन के संरक्षण में चला गया। पुलवामा-बालाकोट के बाद से अमेरिका भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को कम करने में ऐसी रचनात्मक भूमिका निभाता रहा है, जो भारत के लिए मुफीद रही है। तब और अब में फर्क यह है कि अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रम्प और 47वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रम्प में भारी अंतर है। नए ट्रम्प हर बात का श्रेय खुद लेना चाहते हैं। उन्हें ट्रोलिंग में खास मजा आता है। उन्होंने कनाडा के मार्क कार्नी, यूक्रेन के जेलेंस्की और अभी हाल में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति साइरिल रामाफोसा को ह्यवॉट्सअप यूनिवर्सिटीह्न वाली भाषा में ह्यश्वेतों के जनसंहारह्न के लिए अपमानित किया। ट्रम्प को बेशक इस बात से मदद ही मिलती है कि इलॉन मस्क उनके प्रशासन में सबसे शक्तिशाली पद पर होने के बावजूद अपने देश की आंतरिक राजनीति करते रहे हैं। पूरी दुनिया अभी यही सीख रही है कि ट्रम्प और उनके प्रशासन की वास्तविकता के बीच फर्क कैसे किया जाए। ट्रम्प के बड़बोले दावों से आप जब भी उत्तेजित हो जाएं, उनके उपराष्ट्रपति जेडी वेंस या तुलसी गेबार्ड, काश पटेल आदि के ट्वीटों को पढ़िए। यहां तक कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बयान भी बारीकी भरे होते हैं।

पाकिस्तान को भारत से सहयोग करने और अपने यहां मौजूद आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा जाता है। भारत को और क्या चाहिए? आत्मदया से भरी विपत्तिग्रस्तता पराजित होने के एहसास से भी बुरी चीज है, क्योंकि यह भी आपको हताश करती है। इधर सबसे मूर्खतापूर्ण बात यह सुनी जा रही है कि पश्चिमी देशों (अमेरिका) ने भारत को फिर से पाकिस्तान के बराबर नत्थी कर दिया है। लेकिन जरा यह तो बताइए, क्या किसी ने आपसे कहा है कि कश्मीर मसले पर बातचीत शुरू कीजिए और हमें उसमें मध्यस्थ बनने की पेशकश कीजिए?ट्रम्प भी जो बड़बोलापन कर रहे हैं, वह सिर्फ संघर्ष-विराम में अपनी भूमिका के बारे में है।

बिजनेस

विदेश जाने का टिकट मिल रहा है महज 11 रुपये में, जान लीजिए किस एयरलाइन ने ऑफर

नई दिल्ली: आपके मन में भी विदेश घूमने की तमन्ना है, लेकिन हवाई जहाज के महंगे टिकटों को देख कर सरेंडर कर दे रहे हैं, तो इस खबर को ध्यान से पढ़िए। वियतनाम की नये जमाने की एयरलाइन, वियतजेट ने भारतीय यात्रियों के लिए एक खास ऑफर की घोषणा की है।

कंपनी यह ऑफर सीमित समय के लिए दे रही है। वियतनाम की एयरलाइन ने यहां सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि भारत और वियतनाम के बीच सभी सीधी उड़ानों पर इकोनॉमी क्लास का एकतरफा किराया सिर्फ 11 रुपये से शुरू (टैक्स और शुल्क अलग) होगा। इस ऑफर के तहत बुकिंग्स शुरू हो चुकी है और 3 जून, 2025 तक इसका लाभ उठाया जा सकता है। ऑफर वाले टिकटों की बुकिंग वियतजेट की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप के जरिए की जा सकती है।

एयरलाइन के मुताबिक ये प्रोमोशनल टिकट सार्वजनिक छुट्टियों और पीक ट्रैवल पीरियड को छोड़कर 1 जुलाई, 2025 से 28 मार्च, 2026 तक की यात्रा के लिए मान्य हैं। यह निश्चित रूप से गर्मी कीछुट्टियां मनाने, या फिर ऑटम या विंटर गेटअवे के लिए एकदम परफेक्ट है। यदि आपको 2026 की शुरूआत में वियतनाम की यात्रा पर जाना है तो यह आपके लिए एक शानदार मौका है।

कितनी फ्लाइट्स हैं भारत से

वियतजेट भारत और वियतनाम के बीच 78 साप्ताहिक फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। ये फ्लाइट्स भारत के नई दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोच्चि को वियतनाम के हनोई, हो ची मिन्ह सिटी और दा नांग जैसे दक्षिण-पूर्व एशिया के शानदार स्थानों से जोड़ती है। वियतजेट के व्यापक नेटवर्क के साथ, भारतीय यात्री वियतनाम के रास्ते बाली, जकार्ता, बीजिंग, शंघाई, ग्वांगझोउ, या ऑस्ट्रेलिया, जापान और दक्षिण कोरिया के प्रमुख शहरों तक किफायती यात्रा का आनंद ले सकते हैं।वियतनाम की खूबसूरत प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर भारत के ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती है। वियतजेट के सस्ते टिकट से आप डा नांग, न्हा ट्रांग और फु क्वोक के शानदार समुद्र तटों का आनंद उठा सकते हैं या फिर हनोई, ह्यू और निन्ह बिन्ह के ऐतिहासिक आकर्षण में खो सकते हैं।

राज-काज

पतंजलि पर पैसे के लेन-देन में गड़बड़ी का आरोप

नई दिल्ली। योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि को केंद्र सरकार ने पैसों के लेन-देन में गड़बड़ी को लेकर नोटिस भेजा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी जांच एजेंसियों को पतंजलि के पैसों के लेन-देन में गड़बड़ियां मिलीं हैं। एजेंसियों ने कई फाइनेंशियल ट्रांजैक्शंस को संदिग्ध माना है। कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय ने पातंजलि को नोटिस जारी कर दो महीने के भीतर जवाब देने को कहा है। जांच शुरूआती चरण में है, इसलिए रकम का खुलासा नहीं हुआ है। कंपनी के खिलाफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस नियमों के उल्लंघन और फंड डायवर्जन की आशंका पर जांच शुरू की गई है। बाबा रामदेव ने 3 अप्रैल को पतंजलि के शरबत की लॉन्चिंग की थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा था कि एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है, उससे मदरसे और मस्जिदें बनवाती है।

52 हफ्ते के टॉप पर पहुंचा अनिल अंबानी का यह शेयर, एक हफ्ते में आ चुकी है 18% उछाल

नई दिल्ली: अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को करीब 8% तक बढ़ गए। बीएसई पर यह 62.80 रुपये पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। हाल में कंपनी के शेयरों में तेजी आई है। मजबूत ट्रेडिंग और एक बड़े रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट के कारण कंपनी के शेयरों में तेजी आई है। पिछले एक हफ्ते में यह स्टॉक 17% से ज्यादा बढ़ा है। पिछले एक महीने में इसमें लगभग 52% तेजी आई है।

सोमवार को इसमें ट्रेडिंग बहुत ज्यादा हुई। 1,654.71 लाख शेयरों का कारोबार हुआ जिसकी वैल्यू 996.13 करोड़ रुपये की थी। इससे पता चलता है कि निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। पिछले छह महीनों में स्टॉक 56.8% बढ़ा है। पिछले एक साल में यह 147% बढ़ा है। शुक्रवार को इसके शेयरों में लगभग 16% की तेजी आई थी। इसे भारी वॉल्यूम का भी समर्थन मिला। रिलायंस पावर को हाल ही में एक प्रोजेक्ट मिला है। 28 मई को कंपनी ने इसका ऐलान किया था।रिलायंस न्यू एनर्जीज को रखश्ठ से एक लेटर ऑफ अवॉर्ड (छडअ) मिला है। रखश्ठ एक नवरत्न पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग है। यह प्रोजेक्ट 350 टह का इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम (कळर) से जुड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट है। इसमें 175 टह/700 टहँ की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (इएरर) भी शामिल है। रिलायंस न्यू एनर्जीज ने पहले ही नीलामी में सफलता हासिल कर ली थी। यह प्रोजेक्ट 25 साल के लिए 3.33 रुपये/'हँ के फिक्स्ड टैरिफ पर मिला है।

कंपनी के फाइनेंसियल की बात करें तो जनवरी-मार्च तिमाही में रिलायंस पावर को 126 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी को 397.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

कंपनी को इस बार फायदा हुआ है क्योंकि कंपनी का खर्चा कम हो गया है। खर्चा 2,615.15 करोड़ रुपये से घटकर 1,998.49 करोड़ रुपये हो गया है। हालांकि इस दौरान कंपनी की कमाई थोड़ी कम होकर 2,066 करोड़ रुपये हो गई है।पूरे साल की बात करें तो कंपनी को 2,947.83 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल कंपनी को 2,068.38 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। रिलायंस पावर ने पिछले 12 महीनों में 5,338 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया है। इसमें मैच्योरिटी रीपेमेंट भी शामिल है। इससे कंपनी का डेट-टू-इक्विटी रेशियो 24 में 1.61:1 से घटकर 25 में 0.88:1 हो गया है।

अब होगा असली मुकाबला, पाकिस्तान का बजेगा बैंड! 30,000 करोड़ करने की तैयारी में टाटा ग्रुप

नई दिल्ली: टाटा ग्रुप देश का सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है। इसकी होल्डिंग कंपनी टाटा संस अपनी नई कंपनियों में 30,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। यह निवेश टाटा डिजिटल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, एयर इंडिया, डिफेंस और बैटरी यूनिट्स में होगा। यह निवेश इक्विटी के माध्यम से किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार डिफेंस कारोबार की हाल ही में एक रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में फिर से पुष्टि की गई है। टाटा संस के बोर्ड ने गुरुवार को हुई एक बैठक में इस आवंटन को मंजूरी दी। यह फंडिंग हाल के वर्षों में नए व्यवसायों के लिए किए गए 120 बिलियन डॉलर के अतिरिक्त है।

ईटी के एक रिपोर्ट के मुताबिक एक ग्रुप एग्जीक्यूटिव ने कहा कि यह पूंजी निवेश कंपनी की योजना का हिस्सा है। इससे नए व्यवसायों को अगले स्तर तक ले जाने में मदद मिलेगी। टाटा डिजिटल के नए उएड की घोषणा जल्द होगी। एग्जीक्यूटिव ने कहा कि टाटा संस ने पहले ही काफी निवेश कर दिया है। अब, आगे के सभी निवेश प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे। नए व्यवसायों को निवेश पाने के लिए खुद को साबित करना होगा।ये व्यवसाय टाटा संस के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। कंपनी का मानना है कि इनका शुरूआती दौर खत्म हो गया है। अब इन्हें तेजी से काम करके लाभ कमाना चाहिए। यह एक रणनीतिक प्रयास है। इसका उद्देश्य तेजी से बदलती दुनिया में टाटा ग्रुप की प्रतिस्पर्धात्मकता को बनाए रखना है। आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और अन्य नई तकनीकों के कारण बाजार में बहुत बदलाव हो रहे हैं।टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टाटा डिजिटल पहले से ही टॉप 10 ग्रुप व्यवसायों में शामिल हैं। एक एग्जीक्यूटिव ने बताया कि नए व्यवसायों का लक्ष्य है कि वे फाइनेंशियल ईयर 2027 तक राजस्व के मामले में टॉप पांच ग्रुप कंपनियों में शामिल हों और लाभ कमाएं। ग्रुप चेयरमैन एन चंद्रशेखरन अब नए बिजनस की प्रगति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।टाटा डिजिटल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए जल्द ही एक नए उएड की घोषणा की जाएगी। नवीन ताहिलयानी के हाल में इस्तीफा देने के बाद यह पद खाली हो गया था।

सिक्किम के छतेन में भूस्खलन के बाद सैन्य शिविर क्षतिग्रस्त हो गया। इस त्रासदी में कम से कम तीन सैन्यकर्मियों की मौत हो गई और छह सैनिक लापता हो गए।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, मंगलवार, 03 जून, 2025
www.adityabharat.com

अभी प्री-मानसून की एक्टिविटी भोपाल समेत 50 जिलों में आज आंधी-बारिश

ठहरा मानसून... 10 जून के बाद एमपी में एंट्री

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में मानसून की एंट्री 10 जून के बाद ही होगी। मौसम विभाग की माने तो अभी मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा है। पिछले कुछ दिन से ये आगे नहीं बढ़ा है। इधर, मानसून के आने से पहले पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। सोमवार को जिन जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। उनमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, दमोह, मंडला, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, सीहोर, शाजापुर, देवास, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, श्योपुर, शिवपुरी, अशोकनगर, गुना, राजगढ़, आगर-मालवा, सतना, मैहर, मऊगंज, कटनी, जबलपुर, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी और नीमच शामिल हैं। यहां हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक हो सकती है। हरदा, बड़वानी, खंडवा, खरगोन और बुरहानपुर में मौसम साफ रह सकता है।

मानसून

इस साल मई में टूटे रिकॉर्ड, गर्मी की बजाय आंधी-बारिश

पूरे मई महीने में आंधी, बारिश और ओले वाला मौसम रहा। एक भी दिन ऐसा नहीं रहा, जब प्रदेश के किसी न किसी जिले में आंधी-बारिश न हुई हो। एमपी में ऐसा पहली बार हुआ। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत कुल 53 जिले भीग गए। सिर्फ निवाड़ी ही ऐसा जिला रहा, जहां बूंदाबांदी तो हुई, लेकिन दर्ज नहीं हो सकी। दूसरी ओर, मई महीने में बारिश के कई रिकॉर्ड भी टूटे। इंदौर में 139 साल में सबसे ज्यादा 4.6 इंच पानी गिरा। वहीं, उज्जैन में सबसे ज्यादा बारिश का ओवरऑल रिकॉर्ड बना। इससे पहले में साल 1886 के मई महीने में 107.7 मिमी यानी, 4.2 इंच पानी गिरा था, जबकि इस बार 114.8 मिमी यानी, 4.6 इंच पानी गिर गया है। इस तरह 139 साल में इंदौर का रिकॉर्ड टूट गया है। उज्जैन में मई की बारिश का ओवरऑल रिकॉर्ड बना है। इस बार 111.8 मिमी यानी, 4.3 इंच से ज्यादा पानी गिरा है। साल 2021 में कुल मासिक बारिश 65 मिमी (2.5 इंच) हुई थी। इस हिसाब से उज्जैन में मई की बारिश का ओवरऑल रिकॉर्ड बना है। दूसरी ओर, मई में अप्रैल जितनी गर्मी नहीं रही। अप्रैल में कई शहरों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया था। इस साल मई में प्रदेश के किसी भी शहर में दिन का तापमान 43 डिग्री तक भी नहीं पहुंचा। नौतपा में भी कम ही गर्मी रही। नौगांव, खजुराहो, टीकमगढ़, ग्वालियर, दमोह, शिवपुरी जैसे शहरों में ही पारा 40 डिग्री के पार पहुंचा। बाकी शहरों में इससे काफी नीचे रहा।

इसलिए ऐसा मौसम

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अभी तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। जिसका असर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा और हल्की बारिश-आंधी का दौर रहेगा। हालांकि, दिन-रात के पारे में भी बढ़ोतरी होगी, लेकिन हीट वेव यानी, लू चलने की संभावना नहीं है।

क्यों रहा ऐसा मौसम?

मई में भीषण गर्मी की बजाय आंधी-बारिश होने के पीछे क्या वजह रही? इसके बारे में मौसम वैज्ञानिक डॉ. सुरेंद्रन ने बताया कि मई की शुरुआत से आखिरी तक प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और टर्फ की एक्टिविटी देखने को मिली। लगातार सिस्टम एक्टिव होते रहे। इस वजह से आंधी-बारिश का दौर भी चलता रहा। आखिरी दिन भी कुछ जिलों में मौसम बदला रहा।

जून में ऐसा रहेगा रहेगा मौसम

जून में कैसा मौसम रहेगा? इसे लेकर मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की एक्टिविटी है। इस वजह से अगले चार दिन यानी, 5 जून तक आंधी-बारिश का अलर्ट है। कई शहरों में दिन-रात के पारे में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है। उमस भी बढ़ जाएगी। इधर, मानसून 7 से 10 जून के बीच प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। यदि पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डाले तो मानसून के एंटर होने से पहले प्रदेश में तेज गर्मी का असर रहता है। सबसे ज्यादा ग्वालियर-चंबल गर्म रहता है, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग भी जमकर तपते हैं। जून के आखिरी दिनों में ही टेम्प्रेचर से थोड़ी राहत मिलने लगती है। हालांकि, जून में रात का टेम्प्रेचर 8 से 10 डिग्री तक लुढ़क जाता है। अबकी बार भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है।

भोपाल में 15 जून तक तेज गर्मी : राजधानी में जून महीने में तेज गर्मी और बारिश दोनों का ही ट्रेंड है। पिछले 10 साल में 15 जून से पहले तेज गर्मी का असर रहा। 3 साल तो टेम्प्रेचर 45 डिग्री के पार पहुंच गया। वहीं, रात का टेम्प्रेचर 17.4 डिग्री तक आ गया। साल 2020 में सबसे ज्यादा 16 इंच बारिश हुई थी। पिछले साल भी साढ़े 5 इंच से ज्यादा पानी गिरा था।

शॉर्ट न्यूज

बर्थ डे पार्टी कर निकले युवक की एक्सीडेंट में मौत

भोपाल। भोपाल के ईटखेड़ी में एक रेस्टोरेंट में बर्थ डे पार्टी करने के बाद प्राइवेट कॉलेज के डिप्टी रजिस्ट्रार दोस्तों के साथ बाहर आए। बाइक पर बैठे साथियों से बात कर रहे थे। तभी एक कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में अस्पताल में इलाज के दौरान डिप्टी रजिस्ट्रार की मौत हो गई। एक युवक की हालत गंभीर है। हादसा रविवार की रात का है। इलाज के दौरान सोमवार की सुबह करीब 4 बजे युवक की जान गई है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक राजेश अहिरवार (25) एकता नगर लांबाखेड़ा में रहते थे। मृतक के भांजे करण ने बताया कि मामा के साथ घटना के समय मैं मौजूद था। 30 मई को उनका बर्थ डे था। चार लोग पार्टी करने ईटखेड़ी के यादव ढाबा एण्ड रेस्टोरेंट पर पहुंचे थे।

मप्र में नहीं बनेंगे हिंसा बढ़ाने वाले खिलौने?

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार राज्य में बच्चों के लिए बनाए जाने वाले ऐसे खिलौनों के निर्माण को हतोत्साहित करने का विचार कर रही है जो आक्रामकता और हिंसक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देते हैं। इसके स्थान पर रचनात्मकता, सहयोग और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने वाले खिलौनों के उत्पादन को प्राथमिकता दिए जाने की योजना बनाई जा रही है। यह महत्वपूर्ण जानकारी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग के राज्यमंत्री चेतन कश्यप ने दी। राजधानी भोपाल में एमएसएमई विभाग की परामर्श देने वाली समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सखलेचा ने यह मुद्दा उठाया और कहा कि वर्तमान समय में बाजार में बड़ी संख्या में ऐसे खिलौने उपलब्ध हैं जो बच्चों में हिंसक प्रवृत्तियों को जन्म दे रहे हैं।

लकड़ी बीनने गए युवक पर भालू का हमला

उमरिया। जिले का विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अपनी टाइगर सफारी से ज्यादा मानव और वन्य जीव के बीच क्लेश को लेकर सुर्खियों मे बना रहता है। यहां कभी वन्य जीवों की मौत तो कभी ग्रामीणों की मौत या गंभीर घायल के मामले सामने आते रहते हैं। ताजा मामला रविवार को सामने आया है। जहां एक खूंखार भालू ने युवक पर हमला कर दिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में अभी दो दिन में लगातार दो तेन्दुओं की मौत का मामला सुलझा नहीं था। उससे पहले मानपुर बफर रेंज में एक घटना सामने आ गई। एक भालू ने लकड़ी लेने गए ग्रामीण पर हमला कर दिया, जिसमें ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। मानपुर बफर रेंज अंतर्गत ग्राम कुदरी निवासी भैया लाल बैगा खोहरी के जंगल में लकड़ी बीनने गया हुआ था।

मंत्री तोमर फिर चर्चाओं में, टेंट लगाकर पंखे में सोए

एक माह एसी-कार से रहेंगे दूर

संवाददाता ● ग्वालियर

मध्य प्रदेश के ऐसे मंत्री... जो हर बार अपने अलग अंदाज और अजीबो गरीब संकल्पों को लेकर चर्चाओं में रहते हैं। हम बात मध्य प्रदेश की ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर की कर रहे हैं, जिन्होंने फिर से दो ऐसे संकल्प लिए हैं जो चर्चाओं में हैं। पूरे जून के महीने एसी में नहीं सोएंगे और दूसरा अपनी लग्जरी वाहन की बजाय दो पहिया वाहन पर घूमेंगे। इसी कड़ी में रविवार रात ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर घर के बाहर टेंट लगाकर पंखे में सोए। पहले उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ भजन-कीर्तन किया। बता दें कि इससे पहले ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर कई ऐसे संकल्प ले चुके हैं जिन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं और विपक्ष ने खूब उन्हें नौटंकीबाज भी बोला। इससे पहले उन्होंने शहर की खराब सड़कों को लेकर चप्पल छोड़ दी थी। उसके बाद सिंधिया ने खुद अपने हाथों से चप्पल पहनाकर यह प्रण तुड़वाया था। उसके बाद उन्होंने ऐलान किया कि लोग कार, बाइक से सब्जी मंडी जाते हैं बेवजह पेट्रोल खर्च होता है इसलिए मैं खुद साइकिल से सब्जी मंडी जाऊंगा। तीसरा संकल्प ये लिया कि वह बिना प्रेस किए हुए कपड़े पहनेंगे, इससे बिजली की बचत होगी। इसके बाद अभी उन्होंने यह संकल्प लिया है कि जून के महीने में एसी के कमरे में नहीं सोऊंगा। एसी चलने से कई यूनिट बिजली जलती है और कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकलता है जो हमारी प्रकृति और पर्यावरण के लिए अच्छा नहीं है। वहीं जून के महीने में बाइक से चलने का भी संकल्प लिया है। अगर किसी बड़े नेताओं या कोई बाहर कार्यक्रम है तो गाड़ी का उपयोग कर सकते हैं।

जबलपुर के धुआंधार में कूदा नशे में धुत युवक, मौत

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट स्थित धुआंधार जलप्रपात में एक दर्दनाक घटना सामने आई। जब शराब के नशे में एक युवक ने पानी तेज बहाव में छलांग लगा दी जहां पानी के तेज बहाव में आकर युवक बह गया। युवक को पानी के पास जाने के दौरान सैलानी रोकते रहे लेकिन नहीं माना और देखते ही देखते पानी की तेज बहाव में समा गया। युवक के डूबने का वीडियो भी सामने आया है जिसमें मौजूद अन्य सैलानी आवाज देते हुए नजर आ रहे हैं। फिलहाल एसडीआरएफ की टीम ने 24 घंटे के बाद युवक के शव को बरामद कर लिया है और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 25 वर्षीय मृतक युवक सुमित यादव रांझी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 करौंदी नाला के पास का रहने वाला था। जो अपने दोस्त संदीप कुशवाहा के साथ घूमने भेड़ाघाट गया था। नशे की हालत में उसने धुआंधार के नजदीक जाकर अचानक नदी में छलांग लगा दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू कर दी गई। लेकिन तेज बहाव और गहराई के कारण तत्काल युवक को नहीं ढूंढा जा सका। आखिरकार रविवार देर शाम, घटना के 24 घंटे बाद युवक का शव नर्मदा नदी में मिला। शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

'चाहे प्राण क्यों न निकल जाए, मैं बांग्लादेश'

धीरेंद्र शास्त्री ने पड़ोसी देश को लेकर किया बड़ा ऐलान

संवाददाता ● छतरपुर

बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मध्य प्रदेश के छतरपुर में पड़ोसी देश बांग्लादेश को लेकर बड़ा ऐलान किया है। साथ ही देश भर में बकरीद (ईद उल अजहा) पर कुर्बानी ओर लव जिहाद के बढ़ते मामलों पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दिसंबर में हम बांग्लादेश जाएंगे। लोगों ने मना किया कि बांग्लादेश मत जाओ, लेकिन वहां रह रहे हिंदुओं की रक्षा के लिए हमारे प्राण भी चले जाएं, तब भी हम बांग्लादेश जाएंगे।

ऐलान

धीरेन्द्र शास्त्री ने बकरीद पर कुर्बानी को लेकर कहा कि जीव हिंसा किसी भी संप्रदाय, संस्कृति या मजहब में है, तो वह निंदनीय है। उन्होंने कहा, 'हम बकरीद के पक्ष में नहीं है। किसी को अगर हम जीवित नहीं कर सकते हैं, तो हमें किसी को मारने का अधिकार भी नहीं है। इसके सब्सीट्यूशन हैं। उस वक्त कोई ऐसी व्यवस्था स्थिति रही होगी तो बकरे की कुर्बानी दी गई होगी। हम बलि प्रथा के पक्ष में भी नहीं हैं। हमारे सनातन धर्म में भी कई जगहों पर बलि प्रथा है। हम इस बात को एक्सेप्ट कर रहे हैं, लेकिन अब समय बदल गया है। इसलिए हमें लगता है कि जीव हिंसा को रोकना चाहिए।' लव जिहाद के बढ़ते मामलों पर उन्होंने कहा कि साधुओं का कमंडल और बागेश्वर बालाजी का मंडल हम तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मरने से पहले हम हिंदुओं के लिए कुछ ऐसा करके जाएंगे की आने वाली हिंदुओं की सभ्यता और संस्कृति पर कोई उंगली उठाने के पहले सोचेगा। हमारे सन्यासी बाबा की प्रेरणा और आशीर्वाद से सब कुछ तय है और कैलेंडर में भी है की किस समय क्या करना है। बता दें कि हिंदू राष्ट्र बनाने एक बार फिर नवंबर माह में बागेश्वर बाबा तीन राज्यों से होते हुए यात्रा निकलेंगे। इससे पहले साल 2024 में उन्होंने बागेश्वर धाम से ओरछा तक पैदल यात्रा निकाली थी। अब इस साल नवंबर माह में यह यात्रा निकलेंगे।

खेत में काम कर रहे युवक पर बाघ ने कर दिया हमला, घायल

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के बुधनी इलाके में आने वाले वन परिक्षेत्र शाहगंज के खोहा मुरारी में एक किसान पर बाघ ने हमला कर दिया। घटना के समय युवक अपने मूंग के खेत में काम कर रहा था। युवक के हाथ में बाघ के दांत के निशान नजर आने से उसे अस्पताल में भर्ती किया गया। अर्जुन रोज की तरह अपने कुत्ते के साथ खेत पर था। इसी दौरान पास के धान के खेत में बनी बनडी के पीछे से बाघ ने अचानक हमला कर दिया। बाघ ने उसके हाथ पर पंजा मारा। किसी तरह अर्जुन वहां से भागने में सफल रहा। बताया जाता है कि बाघ किसी सूअर का पीछा करते हुए आया था और वह सूअर के शिकार की कोशिश में था, इसलिए ग्रामीण पर ज्यादा फोकस नहीं किया नहीं तो बड़ी घटना घटित हो सकती थी।

घटना

घटना सुबह 6 बजे करीब की बताई जा रही है जब वन विभाग को इसकी सूचना दी गई तो मौके पर वन विभाग की टीम पहुंच गई, ओर घायल युवक को वन विभाग के ही सरकारी वाहन से बुधनी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती किया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रकाश उईके ने बताया कि घायल युवक 25 वर्षीय अर्जुन सिंह सराठे है, जो कि खोहा मुरारी गांव का निवासी है। रविवार सुबह अपने खेत में काम कर रहा था, तभी एक बाघ शिकार की तलाश में सूअर के पीछे दौड़ रहा था, तभी ये हमला हुआ। युवक के हाथ को बाघ ने दांत मार दिए हैं उसका इलाज कराया जा रहा ह। इसके साथ ही शासन के नियमानुसार 500 रुपए प्रतिदिन और अधिकतम 50 हजार रुपए का इलाज किया जा सकता है।

रेंजर ने ये भी आश्वासन दिया कि घायल व्यक्ति को यदि निजी अस्पताल में भी इलाज कराने की आवश्यकता रही तो उसका इलाज कराया जाएगा और शासन के नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। रातापानी अभयारण्य क्षेत्र से जुड़े रहने के कारण यहां बड़ी संख्या में वन्यजीव हैं और वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों में वन्य प्राणियों की दहशत लगातार ग्रामीणों में बनी रहती है। ग्रामीण दहशत के माहौल में हमेशा से रहे हैं। इससे पूर्व में एक महिला एवं एक पुरुष को बाघ ने शिकार बना चुका है, जिसकी वजह से उनकी मौत हो चुकी है।

राजा भभूत सिंह को समर्पित होगी मीटिंग, आज से पहुंचने लगेंगे मंत्री

पचमढ़ी के राजभवन में होगी एमपी सरकार की कैबिनेट बैठक

संवाददाता ● भोपाल

जबलपुर, दमोह, महेश्वर और इंदौर के बाद भोपाल से बाहर मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट की अगली बैठक मंगलवार को पचमढ़ी में होगी। मौसम की स्थितियों को देखते हुए यह बैठक राजभवन में करने का फैसला किया गया है। पचमढ़ी के जागीरदार के बेटे राजा भभूत सिंह की स्मृति में होने वाली इस बैठक की तैयारियां स्थानीय प्रशासन कर रहा है। बैठक के मद्देनजर कई मंत्री आज ही पचमढ़ी पहुंचने वाले हैं।

बैठक

राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित रहने वाली तीन जून की कैबिनेट की बैठक में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों को लोहे के चने चबाने वाले नर्मदांचल के शिवाजी कहे जाने वाले राजा भभूत सिंह के शौर्य को स्मरण किया जाएगा। इस मीटिंग में राजा भभूत सिंह की स्मृति में मुख्यमंत्री डॉ यादव और उनकी कैबिनेट फैसले लेगी। बताया जाता है कि पचमढ़ी गोंड़ राजा भभूत सिंह के ऐतिहासिक योगदान को समेटे हुए है। उन्होंने इस पहाड़ी भूभाग का उपयोग शासन संचालन, सुरक्षा और सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा के लिए किया। गोरिल्ला युद्ध की तकनीक अपनाकर अंग्रेजों को लोहे के चने चबाने वाले राजा भभूत सिंह को नर्मदांचल का शिवाजी भी कहा जाता था। पचमढ़ी में इसके पहले भी कैबिनेट बैठक पूर्व सीएम शिवराज सिंह के कार्यकाल में हो चुकी है। इसके अलावा बीजेपी के चिंतन शिविर भी पचमढ़ी में होते रहे हैं। पचमढ़ी भगवान भोलेनाथ की नगरी के रूप में भी प्रसिद्ध है। पचमढ़ी की धूपगढ़ चोटी समुद्र तल से लगभग 1350 मीटर (4429 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। यह स्थल सतपुड़ा पर्वतमाला का प्रमुख आकर्षण है। धूपगढ़ से दिखाई देने वाला सूर्योदय और सूर्यास्त न केवल पर्यटकों को मंत्रमुग्ध करता है बल्कि यह स्थल गोंड़ साम्राज्य की रणनीतिक शक्ति और प्राकृतिक संरक्षण दृष्टिकोण को भी दर्शाता है। पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन भी है।

पाइन फॉरेस्ट, ग्रैंड व्यू को मौसम के चलते टाला

पचमढ़ी में होने वाली बैठक के लिए राजभवन के साथ पाइन फॉरेस्ट, ग्रैंड व्यू होटल का लॉन भी चिन्हित किए गए थे। पाइन फॉरेस्ट और ग्रैंड व्यू होटल में डोम लगाकर कैबिनेट बैठक की तैयारी थी लेकिन मौसम में बदलाव के चलते राजभवन में बैठक करने का फैसला किया गया है। पर्यटन को बढ़ावा देने होंगे फैसले, 33.88 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन, लोकार्पण पचमढ़ी में कैबिनेट की बैठक के साथ मुख्यमंत्री पर्यटन और अन्य विभागों से जुड़े 33.88 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। इस बैठक में पचमढ़ी के पूर्व जागीरदार राजा भभूत सिंह की स्मृति में पचमढ़ी में प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही नर्मदांचल क्षेत्र में किसी संस्थान का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर रखने की संभावना भी है।

पचमढ़ी में ये विकास कार्य होंगे लोकार्पित

मप्र पर्यटन विभाग के 12 करोड़ 49 लाख रुपए के 5 विकास कार्यों का लोकार्पण और 21 करोड 39 लाख के 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव महिला सशक्तिकरण के तहत जटाशंकर और पांडव केव्स पर पिंक टॉयलेट लाउंज सुविधा का लोकार्पण करेंगे। 10 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित जयस्तंभ क्षेत्र के मार्गों के दोनों ओर पाथवे का लोकार्पण होगा। 60 लाख रुपए की लागत से निर्मित धूपगढ़ पर जल प्रदाय के लिए जलगली से धूपगढ़ तक पाईप लाईन और पंप हाउस, 35 लाख रुपए की लागत से निर्मित पचमढ़ी के प्रवेश द्वार का सौंदर्गीकरण का लोकार्पण होगा। 1 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से निर्मित पर्यटन की इकाई सतपुड़ा रिट्रीट में किचन और रेस्टोरेंट नवीनीकरण व स्विमिंग पूल का लोकार्पण करेंगे।

साउथ एक्ट्रेस की ब्यूटी के आगे फेल हैं बॉलीवुड हसीनाएं

किलर लुक्स से चुरा लेती हैं दिल

बहुत कम एक्ट्रेस ऐसी हैं, जो कमाल की खूबसूरती के अलावा शानदार अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। साउथ सिनेमा की फेमस अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी उनमें से एक हैं। 28 वर्षीय एक्ट्रेस मीनाक्षी अपनी सादगी और ब्यूटी को लेकर फैंस की फेवरेट मानी जाती हैं। आज हम आपके लिए उनकी कुछ ऐसी शानदार तस्वीरें लेकर आए हैं, जो ये बताने के लिए काफी हैं कि मीनाक्षी चौधरी के हुस्न के आगे कई बॉलीवुड हसीनाएं फेल हैं। आइए एक नजर उनकी कुछ हॉट लुक वाली फोटोज पर डालते हैं। साउथ सिनेमा की एक्ट्रेसेज हमेशा से अपनी सादगीभरी खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। मीनाक्षी चौधरी इसका एक बड़ा उदाहरण हैं। बहुत कम समय में ही उन्होंने अपने कातिलाना हुस्न और एक्टिंग के हुनर के दम पर फैंस के दिलों में खास जगह बनाई है। असल जिंदगी में वह कितना ज्यादा ब्यूटीफुल हैं, इसका अंदाजा उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर मौजूद लेटेस्ट तस्वीरों के जरिए लगा सकते हैं। इन तस्वीरों में मीनाक्षी चौधरी का किलर लुक देखने को मिल रहा है, जो ये बताने के लिए काफी है कि रियल लाइफ में वह बेहद हॉट हैं। इसके अलावा कुछ अन्य फोटो में वह ट्रेडिशनल ड्रेस में बला की खूबसूरत दिख रही हैं। मीनाक्षी के इस अंदाज के आगे बी टाउन की फेमस अदाकाराएं दिशा पाटनी, नोरा फतेही और आलिया भट्ट का ग्लैमर्स भी फेल है। इसके अलावा कुछ अन्य फोटो में वह ट्रेडिशनल ड्रेस में बला की खूबसूरत दिख रही हैं। मीनाक्षी के इस अंदाज के आगे बी टाउन की फेमस अदाकाराएं दिशा पाटनी, नोरा फतेही और आलिया भट्ट का ग्लैमर्स भी फेल है। फैंस को मीनाक्षी चौधरी की ये लुक हद से ज्यादा पसंद आता है और वे उनकी फोटो-वीडियो पर जमकर लाइक और कमेंट करते हैं। यही वो कारण है, जो सोशल मीडिया पर अक्सर उनकी फोटोज तेजी से वायरल होती रहती हैं। इसके अलावा गौर किया जाए मीनाक्षी चौधरी के एक्टिंग करियर की तरफ तो उन्होंने अपने फिल्मी करियर में विजय थलापति और दुलकर सलमान जैसे कई बड़े साउथ सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन को शेयर किया है। बता दें कि 2019 में आई फिल्म नवोदित से मीनाक्षी ने अपने एक्टिंग करियर का आगाज किया था और इस लिहाज से वह पिछले 6 साल में सिनेमा जगत का एक बड़ा नाम बन गई हैं।

गौहर खान ने झेला मिसकैरिज का दर्द

हाल ही में किया था दूसरी प्रेग्नेंसी का ऐलान

बॉलीवुड अभिनेत्री गौहर खान जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं। 2023 में अपने बेटे जेहान को जन्म देने के बाद, गौहर ने हाल ही में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अपना एक नया व्लॉग शुरू किया है, जिसमें वह अपनी मातृत्व यात्रा और जिंदगी के उतार-चढ़ाव के बारे में खुलकर बात कर रही हैं। इस व्लॉग में गौहर ने अपने एक मिसकैरिज के दर्दनाक अनुभव को साझा किया, जिसे सुनकर वह रो पड़ीं। गौहर ने अपने व्लॉग में बताया कि जेहान के जन्म से पहले वह एक बार प्रेग्नेंट हुई थीं। वह और उनके पति जैद दरबार इस खबर से बहुत खुश थे, लेकिन 9वें हफ्ते में उनका मिसकैरिज हो गया, जिसने उनकी खुशियों को मातम में बदल दिया। गौहर ने कहा, "यह मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल समय था। उस दर्द को शब्दों में बयां करना असंभव है। 9 हफ्तों तक मैंने अपने बच्चे को महसूस किया, लेकिन उसे खोना मेरे लिए बहुत बड़ा सदमा था।" इस अनुभव को साझा करते हुए गौहर भावुक हो गईं और उनकी आंखें नम हो गईं। गौहर ने अपने बेटे जेहान के जन्म को चमत्कार बताया। उन्होंने कहा कि जेहान को उन्होंने नेचुरली कंसीव किया था, जिसे वह भगवान का आशीर्वाद मानती हैं। हाल ही में गौहर ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया, जिससे फैंस में उत्साह है। अपने व्लॉग में वह मातृत्व के खूबसूरत पलों और चुनौतियों को बयां करती हैं। गौहर खान ने 2020 में म्यूजिक डायरेक्टर इस्माइल दरबार के बेटे जैद दरबार से शादी की थी। जैद एक मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और कोरियोग्राफर हैं। शादी के तीन साल बाद 2023 में गौहर और जैद ने अपने बेटे जेहान का स्वागत किया। अब दूसरी प्रेग्नेंसी की खबर ने उनके फैंस को और उत्साहित कर दिया है।

इस कारण 'रेड 2' से दूर हुई थीं इलियाना डिक्रूज

बोलीं- समय के साथ बदल जाती है प्राथमिकता

बॉलीवुड अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज ने हाल ही में खुलासा किया था कि उन्होंने अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' में काम करने का ऑफर ठुकरा दिया था। इसका कारण उनकी नई जिम्मेदारी, यानी मां बनना, है। इलियाना ने 2023 में अपने पहले बेटे, कोआ फीनिक्स डोलन, का स्वागत किया था। एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि वह फिल्मों में काम करने को बहुत मिस करती हैं, लेकिन अभी उनकी प्राथमिकताएं बदल गई हैं। उन्होंने कहा, "मैं भी फिल्मों में काम करना मिस करती हूं और मुझे 'रेड 2' का हिस्सा बनना पसंद होता। 'रेड' मेरे लिए खास फिल्म थी, और मालिनी का किरदार निभाना बहुत खास अनुभव था। मेरे डायरेक्टर राज कुमार गुप्ता और अजय के साथ काम करना शानदार था। लेकिन 'रेड 2' के मेकर्स ने मुझे ऑफर दिया, तब मैंने अभी-अभी अपने बच्चे को जन्म दिया था, और मेरी प्राथमिकताएं अब अलग हैं।" इलियाना ने 'रेड 2' में उनकी जगह लेने वाली अभिनेत्री वाणी कपूर की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, "मैंने प्रोमो में वाणी को देखा, वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। मुझे यकीन है कि उन्होंने अपने किरदार में अपनी खास छाप छोड़ी होगी।" इलियाना ने 2023 में माइकल डोलन से शादी की और अगस्त में अपने बेटे को जन्म दिया। हाल ही में उन्होंने अपनी दूसरी प्रेगनेंसी की भी घोषणा की, जिससे फैंस में उत्साह है। 'रेड 2' 1 मई 2025 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अजय देवगन ने अमय पटनायक का किरदार दोबारा निभाया, जबकि रितेश देशमुख और वाणी कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। इलियाना ने 2018 की फिल्म 'रेड' में मालिनी का किरदार निभाया था, जो दर्शकों को बहुत पसंद आया था। इलियाना ने हाल ही में एक इंस्टाग्राम AMA सेशन में मां बनने के अपने अनुभव को साझा किया।

2 घंटे 17 मिनट की साउथ थ्रिलर में कूट-कूटकर भरा है सस्पेंस

ओटीटी पर देखें विक्रम की ये धांसू मूवी

विक्रम चियान साउथ सिनेमा के मेगा सुपरस्टार में से एक हैं। पर्दे पर अपने स्वैग और दमदार अभिनय के लिए उन्हें काफी जाना जाता है। आज हम आपके लिए विक्रम की उस फिल्म की अहम जानकारी लेकर आए हैं, जिसमें सस्पेंस का रोमांच कूट-कूटकर भरा हुआ है। बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली ये 7 साल पुरानी थ्रिलर ओटीटी पर मस्ट वॉच मूवी के तौर पर फेमस है। आइए इस लेख में जानते हैं कि यहां किस साउथ फिल्म की बात हो रही है और ऑनलाइन किस प्लेटफॉर्म पर आपको ये देखने को मिलेगी। साउथ सिनेमा लंबे समय से मनोरंजन जगत में बेहतरीन एक्शन और सस्पेंस थ्रिलर देकर अपनी भागीदारी देता आ रहा है। ऐसी ही एक मूवी को साल 2018 में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। विक्रम स्टारर इस तमिल फिल्म कहानी काफी रोचक थी। मूवी में एक ऐसे शख्स की स्टोरी को दिखाया गया है, जो एक साहूकार के लिए वसूली का काम करता है। वह शख्स कर्जदारों से उस साहूकार के पैसों की वसूली करता है और नहीं देने पर उनके साथ मारपीट करता है। उनमें से एक कर्जदार उस व्यक्ति का टारगेट कर लेता है और बदला लेने के लिए जबरदस्त प्लान बनाता है। बीच में आपको हीरो और हीरोइन की लव स्टोरी का ड्रामा देखने को मिलेगा।

सोनाक्षी सिन्हा को मोटी कहकर फिल्म से निकाला गया

अपनी एक्टिंग के दम पर लोगों के दिलों में अपनी एक अलग और खास जगह बना चुकी एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा को एक समय मोटापे की वजह से काफी आलोचना सहनी पड़ी थी। एक्टिंग में करियर शुरू करने से पहले सोनाक्षी ने कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। हालांकि जब उन्होंने एक्टिंग में करियर बनाने की सोची तो ओवरवेट होने की वजह से कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसकी वजह से एक प्रोड्यूसर ने फिल्म में लीड रोल देने से मना कर दिया था। यहां तक कि रैंप वॉक के दौरान भी उनके मोटापे का मजाक उड़ाया गया। यह बात सोनाक्षी के दिल को लग गई और उन्होंने अपनी विल पावर, वर्कआउट रूटीन और परफेक्ट डाइट प्लान से 30 किलो वजन कम करके सलमान की फिल्म 'दबंग' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। सोनाक्षी सिन्हा ने आर्य विद्या मंदिर से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। उसके बाद बाद उन्होंने श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी महिला विश्वविद्यालय (एसएनडीटी) मुंबई से फैशन डिजाइनिंग में ग्रेजुएशन किया। सोनाक्षी ने 2005 में फिल्म 'मेरा दिल लेके देखो' से बतौर कॉस्ट्यूम डिजाइनर अपना करियर शुरू किया था। इस फिल्म की प्रोड्यूसर सोनाक्षी की मां पूनम सिन्हा थीं। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, अर्चना पूरन सिंह, कोयल पुरी और करन कपूर जैसे सितारों ने काम किया था। इस फिल्म के बाद सोनाक्षी ने लंबे समय तक डिजाइनर के तौर पर काम किया। 2008-09 में लैक्मे फैशन वीक में रैंप पर भी वॉक किया। नेहा धूपिया के पॉपुलर चैट शो BFFs with Vogue में सोनाक्षी सिन्हा ने रैंप वॉक के दौरान का एक किस्सा शेयर किया था। एक्ट्रेस ने कहा था- रैंप वॉक के दौरान एक सेलिब्रिटी मॉडल ने मेरी बॉडी का मजाक उड़ाया था। जब मैं रैंप पर वॉक कर रही थी, तभी एक सेलिब्रिटी मॉडल ने मुझे गाय बुलाया। उसने कहा कि ये क्या है अब गाय भी रैंप वॉक करेगी? जब नेहा धूपिया ने उस मॉडल का नाम पूछा तो सोनाक्षी कुछ नहीं बोलीं।

हिमेश रेशमिया को याद आए 'बाबू भैया', फिल्म 'हेरा फेरी' को लेकर कही बात

परेश रावल के फिल्म 'हेरा फेरी-3' से निकलने की खबर इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। फिल्म प्रोड्यूसर्स को साइनिंग अमाउंट लौटाने के बाद भी ये लगभग क्लियर है कि परेश अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं बनेंगे। हाल ही में सुनील शेट्टी और जॉनी लिवर ने परेश के हेराफेरी 3 में ना होने पर रिएक्शन दिया था। दोनों ने ही कहा था कि बाबूभैया के बिना फिल्म संभव ही नहीं है। अब इस पर सिंगर हिमेश रेशमिया का रिएक्शन भी सामने आया है। दरअसल बीते दिनों मुंबई के अपने कॉन्सर्ट में हिमेश रेशमिया ने बिना नाम लिए परेश रावल के फिल्म से अलग होने पर बात की। उन्होंने कहा कि 'पहली वाली 'हेरा फेरी' में वो कमाल के थे, 'हेरा फेरी 2' में भी वो कमाल के थे और अब वो एक बार फिर से ग्रेट होंगे।।।' हिमेश का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वो 'जुम्मे रात।।।' गाना भी गा रहे है। कहा जा रहा है कि हिमेश परेश के फिल्म छोड़ने से खुश नहीं है। इसलिए उन्होंने ऐसा कहा। खैर आपको बता दें कि हिमेश ने परेश रावल का नाम नहीं लिया है। हां, हिमेश ने 'फिर हेरा फेरी' का म्यूजिक कम्पोज किया था। जो खूब पॉपुलर हुआ था। इसके अलावा पहली 'हेरी फेरी' में भी गाना गा चुके हैं। परेश की पॉपुलैरिटी महज फैंस तक ही सीमित नहीं है। वो सेलेब्स के बीच भी बाबूभैया के कैरेक्टर से अपनी स्पेशल जगह बना चुके हैं। कुछ समय पहले ऐसी रिपोर्ट्स आई थीं कि अक्षय कुमार ने परेश रावल पर 'हेरा फेरी 3' छोड़ने के कारण 25 करोड़ का केस ठोका है। उनपर प्रोजेक्ट खराब करने का आरोप लगाया, जिसके जवाब में परेश रावल ने कहा कि उनके वकील ने उनकी एग्जिट पर एक सही जवाब भेज दिया है। जिसे पढ़कर उन्हें उम्मीद है कि पूरा मामला सुलझ जाएगा। अब आखिरकार परेश रावल के बाहर होने का असली कारण क्या है, ये तो वक्त आने पर ही पता चल पाएगा।

'शर्मिष्ठा को तुरंत रिहा करो', कंगना रनौत ने की मांग, बोलीं- किसी बेटी के साथ ऐसा न हो

ऑपरेशन सिंदूर पर कथित रूप से सांप्रदायिक सोशल मीडिया पोस्ट करने के मामले में गुरुग्राम से गिरफ्तार की गई 22 वर्षीय लॉ स्टूडेंट शर्मिष्ठा पनौली को अब एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनौत का सपोर्ट मिला है। कंगना ने शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर भी निशाना साधा है। शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा, 'कानून-व्यवस्था के नाम पर किसी को परेशान करना ठीक नहीं है। जब कोई माफी मांग लेता है और पोस्ट डिलीट कर देता है, लेकिन उसे जेल में डालना, उसे प्रताड़ित करना, उसका करियर खत्म करना और उसके चरित्र पर सवाल उठाना बहुत गलत है। किसी भी बेटी के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए।' कंगना ने कहा- 'मैं पश्चिम बंगाल सरकार से आग्रह करती हूं कि राज्य को उत्तर कोरिया बनाने की कोशिश न करें। सभी के पास लोकतांत्रिक अधिकार हैं। उन्होंने अपनी अभद्र टिप्पणी के लिए माफी मांगी है। शर्मिष्ठा ने अपने वीडियो में कुछ अनुचित शब्दों का इस्तेमाल किया, लेकिन ऐसे शब्द आजकल ज्यादातर युवा इस्तेमाल करते हैं। उन्हें जल्द रिहा किया जाना चाहिए क्योंकि वह बहुत कम उम्र की लड़की हैं। उनके सामने पूरा करियर और जीवन है।' कंगना रनौत के अलावा शर्मिष्ठा पनोली के बचाव के लिए एक्टर और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण उतरे हैं। उन्होंने शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी पर टीएमसी पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा 'ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लॉ की छात्रा शर्मिष्ठा ने अपनी बात रखी। कुछ लोगों को उनके शब्द आपत्तिजनक लगे। उन्होंने माफी मांगी और वीडियो डिलीट किया। फिर भी बंगाल पुलिस ने कार्रवाई की। पवन कल्याण ने कहा 'जब हमारे धर्म को गंध धर्म कहा जाता है तब इनकी गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई?

दिलजीत दोसांझ की 'सरदार जी 3' का पोस्टर रिलीज

पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ ने अपनी मच अवेटेड फिल्म 'सरदार जी 3' का मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया है। पोस्टर में दिलजीत एक जबरदस्त स्टाइल में नजर आ रहे हैं, जहां उनके आसपास कई महिलाएं घूंघट में दिख रही हैं। दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म को लेकर कैप्शन लिखा, 'इस बार डर, प्यार और हंसी तीनों का तड़का लेकर आ रहे हैं जग्गी जी!' दिलजीत ने ये भी लिखा, 'सरदार जी वापस आ गया है, तीन गुना मस्ती के साथ।' फिल्म में नीरू बाजवा और मानव विज भी अहम किरदार में नजर आएंगे। बता दें कि पहली 'सरदार जी' फिल्म 2015 में आई थी, जिसे रोहित जुगराज ने डायरेक्ट किया था। 2016 में इसका सीक्वल आया था। जिसको भी रोहित जुगराज ने डायरेक्ट किया था। वहीं, 'सरदार जी 2' को धीरज रतन ने लिखा और व्हाइट हिल प्रोडक्शन द्वारा प्रोड्यूस किया गया था। 'सरदार जी' 24 जून 2016 को रिलीज हुई थी, जिसमें दिलजीत दोसांझ, मोनिका गिल और सोनम बाजवा मुख्य भूमिकाओं में थे। इस बार यानी तीसरी फिल्म को अमर हुंदल ने डायरेक्ट किया है। फिल्म 27 जून 2025 को रिलीज होगी। गौरतलब है कि इससे पहले फिल्म हानिया आमिर को लेकर चर्चा में थी। बताया जा रहा था कि पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली थीं।

थम नहीं रहा रिटायरमेंट का सिलसिला... ऑक्शन में नहीं मिला कोई खरीदार अब लिया संन्यास, तीसरा खिलाड़ी

एजेंसी ● नई दिल्ली

प्रो कबड्डी लीग के इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ी, प्रदीप नरवाल ने कबड्डी से संन्यास लेने की घोषणा की है। यह खबर सोमवार को आई। पीकेएल सीजन 12 की नीलामी में उन्हें किसी ने नहीं खरीदा। 28 साल के प्रदीप ने खेल से संन्यास लेने का फैसला किया। वह अब कोच के रूप में दिखाई देंगे। प्रदीप ने यह घोषणा खेल बॉडकास्टर सुनील तनेजा के साथ एक लाइव वीडियो में की। प्रदीप ने पटना पाइरेट्स को तीन बार पीकेएल का खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने यूपी योद्धास और बेंगलुरु बुल्स के लिए भी खेला।

सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं प्रदीप

प्रदीप नरवाल ने पीकेएल इतिहास में 1801 रेड पॉइंट बनाए हैं। उनका औसत प्रति मैच 9.47 रेड पॉइंट है। प्रदीप नरवाल का संन्यास कबड्डी प्रेमियों के लिए एक बड़ा झटका है। उन्होंने प्रो कबड्डी लीग में अपनी अलग पहचान बनाई थी। प्रदीप ने अपने खेल से कई युवाओं को प्रेरित किया। प्रदीप नरवाल ने पीकेएल 12 की नीलामी में अनसोल्ड रहने के बाद यह फैसला लिया। इसका मतलब है कि किसी भी टीम ने उन्हें खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। प्रदीप ने सुनील तनेजा के साथ लाइव वीडियो में कहा कि अब वह कोच बनेंगे।प्रदीप नरवाल ने पटना पाइरेट्स के साथ पांच सीजन खेले। इस दौरान टीम ने लगातार तीन बार पीकेएल का खिताब जीता। सीजन 8 में वह यूपी योद्धास में शामिल हुए। 28 साल के प्रदीप नरवाल पीकेएल इतिहास के सबसे सफल रेडर हैं। उन्होंने 1801 रेड पॉइंट हासिल किए हैं। हालांकि, पिछले चार सीजन में यूपी योद्धास और बेंगलुरु बुल्स के साथ खेलते हुए, वह लीग के टॉप पांच रेडरों में जगह बनाने के लिए संघर्ष करते रहे।

कोचिंग में बनाएंगे करियर

प्रदीप नरवाल ने अपने करियर में कई रिकॉर्ड बनाए। उन्होंने कई बार अपनी टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकाला। उनके रेडिंग कौशल के सभी कायल थे। प्रदीप नरवाल का कहना है कि वह अब कोचिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं। वह युवा खिलाड़ियों को कबड्डी के गुर सिखाना चाहते हैं। उनका मानना है कि वह अपने अनुभव से युवा खिलाड़ियों को बेहतर बना सकते हैं।

महिला एमर्जिंग एशिया कप टूर्नामेंट हुआ स्थगित

मेजबान श्रीलंका ने हाथ किए खड़े

एजेंसी ● नई दिल्ली

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने मेजबान देश श्रीलंका में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं के कारण छह जून से शुरू होने वाले महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप टूर्नामेंट को सोमवार को स्थगित करने की घोषणा की। टूर्नामेंट को स्थगित करने का फैसला श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा से प्राप्त पत्र पर विचार-विमर्श के बाद लिया गया जिन्होंने एसीसी प्रमुख मोहसिन रजा नकवी को इस टूर्नामेंट को स्थगित करने की मांग करते हुए पत्र लिखा था।

एसीसी ने एक बयान में कहा कि सिल्वा ने श्रीलंका में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और इस क्षेत्र में चिकनगुनिया फैलने

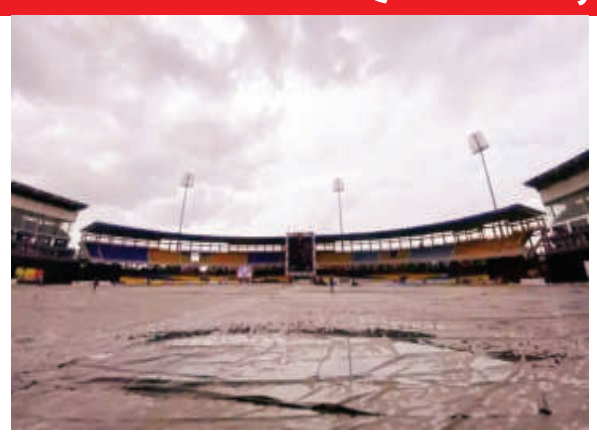

के कारण स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला दिया। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि महाद्वीपीय संस्था महिला क्रिकेट और क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के महत्व को समझती है।उन्होंने कहा, 'एसीसी युवा महिला क्रिकेटरों को कौशल को बढ़ाने और उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के मौके प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम एशिया में महिला क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में इस टूर्नामेंट के रणनीतिक महत्व को समझते हैं और जल्द से जल्द इस टूर्नामेंट को फिर से आयोजित करने के लिए लगन से काम करेंगे।' नकवी ने कहा कि एसीसी समय आने पर टूर्नामेंट की नयी तारीखों की घोषणा करेगा।

एसीसी के करीबी एक विश्वसनीय सूत्र ने यह भी कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच हाल में सीमा पर तनाव के कारण सितंबर में पुरुषों के एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर गंभीर संदेह है। सूत्र ने कहा, ह्यमुझे नहीं लगता कि एशिया कप होगा क्योंकि मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने के साथ पाकिस्तान टीम को आमंत्रित करने के लिए अपनी सरकार से मंजूरी लेना मुश्किल होगा।

भारतीय सॉफ्टबॉल टीम में बीजापुर के दो खिलाड़ी

बीजापुर। बैंकॉक में 2 जून से 4 जून तक आयोजित होने वाली अंडर 23 मेंस सॉफ्टबॉल एशियन चैम्पियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे बीजापुर के राकेश कड़ती और राकेश पुणेम। दिल्ली में तीन दिवसीय कैंप होने के बाद आज दिल्ली एयरपोर्ट से बैंकॉक के लिए टीम हुई रवाना। राकेश कड़ती जहां 11 नेशनल ओर ये उनका दूसरा इंटरनेशनल होगा इसे पहले 2023 में राकेश ने अंडर 18 जापान में आयोजित एशिया कप सॉफ्टबॉल में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था। वही राकेश पुणेम अब तक 3 नेशनल खेले है। बीजापुर के खिलाडियों का भारतीय टीम में चयन होने पर जिले के कलेक्टर श्री संबित मिश्रा और खेल प्रभारी श्री नारायण प्रसाद गवेल एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश के महासचिव श्री ओपी शर्मा ने हार्दिक बधाइयां और उज्जवल भविष्य की कामना की है। सॉफ्टबॉल के अंतरराष्ट्रीय कोच एवं जिले के श्रम निरीक्षक सोपान कणेर्वार ने बताया कि एशिया कप में टॉप दो टीमों को 2026 में होने वाली वर्ल्ड कप सॉफ्टबॉल में सीधे प्रवेश मिलेगा। वहीं महिला एशियन सॉफ्टबॉल चैम्पियनशिप का फाइनल कैंप इंदौर में 3 जून से 10 जून तक आयोजित होगा जिसमें बीजापुर से रेणुका तेलम और चंद्रकला तेलम का चयन हुआ है भारतीय महिला सॉफ्टबॉल टीम को प्रशिक्षण देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोच सोपान कणेर्वार को जिम्मेदारी दी गई है।

कितने का टिकट, कैसे खरीद सकते हैं और मैच के दिन स्टेडियम क्या-क्या लाना होगा

एजेंसी ● अहमदाबाद

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को हराकर आईपीएल के फाइनल में जगह बना ली, जबकि पंजाब किंग्स ने बीती रात मुंबई इंडियंस को रौंदकर फाइनल में एंट्री मारी। यह मैच क्वालिफायर-2 था। अब आरसीबी का पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना बस एक कदम दूर है, जबकि पंजाब का भी यही सपना है। फाइनल 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। आरसीबी के फैंस टिकट पाने के लिए खूब कोशिश कर रहे हैं। वे अपनी टीम को पहली बार चैंपियन बनते देखना चाहते हैं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (इउउक) ने पहले ही बता दिया था कि आईपीएल 2025 के प्लेऑफ के टिकट 24 मई से मिलने शुरू हो जाएंगे। लेकिन फाइनल और क्वालिफायर-2 के टिकट 26 मई से बिकने शुरू हुए। विराट कोहली वाली टीम आरसीबी इससे पहले 2016 में खिताबी मुकाबले में पहुंची थी। उस सयम उसे सनराइजर्स हैदाबाद से हार का सामना करना पड़ा था। अगर आप आईपीएल 2025 के फाइनल के टिकट खरीदना चाहते हैं, तो यह तरीका है...सटीक कीमतें सीटिंग कैटेगरी और उपलब्धता के हिसाब से अलग-अलग होती हैं, फाइनल के लिए टिकट की कीमतें आम तौर पर सामान्य स्टैंड के लिए लगभग 1000 से लेकर प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी बॉक्स के लिए 20,000 या उससे ज्यादा होती हैं, जैसा कि कई अनुमानों में बताया गया है। ज्यादा मांग और सीमित आपूर्ति के कारण, निराशा से बचने के लिए जल्दी बुकिंग की सलाह दी जाती है।

आईपीएल फाइनल मैच के दिन प्रवेश के लिए क्या लाना है? 3 जून को आईपीएल फाइनल के लिए नरेंद्र मोदी स्टेडियम में प्रवेश करने के लिए, प्रशंसकों को ये चीजें साथ लानी होंगी... सरकार द्वारा जारी वैध फोटो पहचान पत्र डजिटल या प्रिंटेड मैच टिकट सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें और लंबी कतारों से बचने के लिए जल्दी पहुंचें।

नहीं चाहते हुए भी महिला वनडे विश्व कप में भारत के आगे झुकेगा पीसीबी

नई दिल्ली: महिला वनडे विश्व कप 2025 भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से दो नवंबर के बीच खेला जाएगा, जिसमे कोलंबो को तटस्थ अतिरिक्त स्थान के रूप में जोड़ा गया है। भारत पहले इसका इकलौता मेजबान था लेकिन टूर्नामेंट के मैच अब बेंगलुरू, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और कोलंबो में खेले जाएंगे। कोलंबो को इसलिए जोड़ा गया है क्योंकि पाकिस्तान आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए भारत नहीं आयेगा और इस साल की शुरूआत में चैम्पियंस ट्रॉफी में हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी दी गई थी।

इसके तहत भारत ने अपने मैच दुबई में खेले थे जबकि पाकिस्तान और बाकी टीमों के मैच पाकिस्तान में हुए थे। आईसीसी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'यह टूर्नामेंट बेंगलुरू में 30 सितंबर से शुरू होगा। भारत में 12 साल बाद महिला क्रिकेट विश्व कप कराया जा रहा है।ह्न पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में होगा जबकि दूसरा 30 अक्टूबर को बेंगलुरू में खेला जायेगा। फाइनल दो नवंबर को बेंगलुरू या कोलंबो में होगा ।मेजबान भारत के अलावा गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका इसमें भाग लेंगे। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने अप्रैल में छह टीमों के क्वालीफायर में शीर्ष दो में रहकर इसमें जगह बनाई है। ऑस्ट्रेलिया सात बार का चैम्पियन है जबकि भारत एक बार भी नहीं जीत सका है ।

मेक्सिको के क्रूज अजुल के इग्नासियो रिवेरो ने मेक्सिको सिटी में कनाडा के वैंकूवर व्हाइटकैप्स के खिलाफ कॉनकाकैफ चैंपियंस कप फुटबॉल फाइनल मैच जीतकर ट्रॉफी उठाई।

रोमन रेंस की जल्द होगी हहए में वापसी, इस इवेंट में आएंगे नजर

नई दिल्ली: रोमन रेंस, जो रेसलमेनिया 41 के बाद से हहए फ्अह में नहीं दिखे हैं, जल्द ही वापसी कर सकते हैं। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी वापसी की संभावना है। सेठ रॉलिंस और ब्रॉन ब्रेकर के हमले के बाद वह गायब हो गए थे। अटकलें हैं कि रेंस 7 जून, 2025 को मनी इन द बैंक इवेंट में दिख सकते हैं। उनकी वापसी के बाद, उनका मुकाबला सेठ रॉलिंस के ग्रुप से हो सकता है। यह भी चर्चा है कि रेंस, जॉन सीना से अनडिस्प्यूटेड हहए चैंपियनशिप के लिए मुकाबला कर सकते हैं। रेसलमेनिया छ में कोडी रोड्स से हारने के बाद से रेंस चैंपियनशिप जीतने पर ध्यान दे रहे हैं। सीना को चुनौती देना पुरानी दुश्मनी को फिर से शुरू करना होगा। उनका आखिरी मुकाबला 2021 में हुआ था। कुछ लोगों का मानना है कि रेंस और सीना के बीच एक और मुकाबला हो सकता है। यह मुकाबला 28 जून, 2025 को सऊदी अरब में इवेंट में हो सकता है।रोमन रेंस की वापसी के बाद क्या होगा, इस पर भी चर्चा हो रही है। कुछ लोगों का मानना है कि वह सेठ रॉलिंस के ग्रुप से मुकाबला करेंगे। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि वह जॉन सीना से अनडिस्प्यूटेड हहए चैंपियनशिप के लिए लड़ेंगे।शानदार रहा है रोमन रेंस का करियररोमन रेंस, जिनका जन्म 25 मई 1985 को हुआ, वह 40 साल के हो गए हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई में उन्होंने कई सफलताएं हासिल की हैं और अब वे हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। 2020 से उन्होंने फुटबॉल के प्रति अपना नजरिया बदला। पॉल हेमैन उनके साथ कंपनी में आए और वे तीन साल से ज्यादा समय तक चैंपियन रहे।

खिताबी जंग के लिए तैयार श्रेयस अय्यर और रजत पाटीदार, अहमदाबाद के मैदान पर मिलेगा नया चैंपियन

खेल संवाददाता ● रायपुर

आईपीएल 2025 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। मंगलवार को इस सत्र का फाइनल मुकाबला पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों ने 18 साल में एक बार भी ट्रॉफी नहीं जीती है। अब दोनों टीमें इस सूखे को खत्म करने का उद्देश्य लेकर उतरेंगी। फाइनल से पहले दोनों फाइनलिस्ट टीमों के कप्तानों की सोमवार को अहमदाबाद में मुलाकात हुई जिसकी तस्वीरें आईपीएल ने साझा की हैं।

आरसीबी और कोहली का यह चौथा फाइनल होगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल मुकाबले में कोहली का समर्थन करने के लिए 18 नंबर की जर्सी पहने हजारों प्रशंसक नजर आ सकते हैं। आरसीबी ने अपनी पिछली समस्याओं को पीछे छोड़कर इस बार शुरू से लेकर अंत तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने पहले क्वालिफायर में पंजाब को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और उनकी टीम अपने इसी प्रदर्शन को दोहराने के लिए प्रतिबद्ध होगी। कोहली (614 रन) ने हर साल की तरह इस बार भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह इस साल भी आरसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ रहे। इस बार उन्हें अन्य खिलाड़ियों का भी अच्छा सहयोग मिला जिसने मुख्य अंतर पैदा किया। इस वर्ष कोहली अकेले ऐसे खिलाड़ी नहीं रहे हैं जिन पर सबका ध्यान केंद्रित रहा है, बल्कि उन्होंने चुपचाप आरसीबी को मजबूत करने का काम किया है।

फिल साल्ट ने भारतीय सुपरस्टार का अच्छा साथ देकर आरसीबी को अच्छी शुरूआत दिलाई, जबकि मयंक अग्रवाल, कप्तान रजत पाटीदार और जितेश शर्मा बल्लेबाजी क्रम के भरोसेमंद खिलाड़ी हैं। टिम डेविड चोटिल होने के कारण आरसीबी के पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए इसलिए यह

देखना बाकी है कि वह इस मुकाबले के लिए फिट हैं या नहीं। उन्होंने रोमारियो शेफर्ड के साथ मिलकर डेथ ओवरों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गेंदबाजी में शांत और धैर्यवान जोश हेजलवुड (21 विकेट) ने आरसीबी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह आईपीएल के वर्तमान सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में अभी चौथे स्थान पर है। मुल्लांपुर में अपने घरेलू मैदान पर पहले क्वालिफायर में आरसीबी से मिली करारी हार के बावजूद श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स की टीम ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया। उसने पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस को हराकर 11 वर्षों के बाद पहली बार फाइनल में प्रवेश किया। 10 टीमों की अंक तालिका के दूसरे हाफ में लगातार शीर्ष पर रहने वाली पंजाब किंग्स ने कप्तान अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग की देखरेख में महत्वपूर्ण प्रगति की है। अय्यर (603 रन) के नेतृत्व में पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स चैंपियन बना था।

इस तरह से लगातार दूसरी बार आईपीएल फाइनल में पहुंचना एक ऐसे नेतृत्वकर्ता के रूप में उनकी क्षमताओं के बारे में बहुत कुछ कहता है जो इस प्रारूप में किसी भी अन्य की तरह ही अपने खिलाड़ियों को अच्छी तरह से संगठित करता है। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि अय्यर टूर्नामेंट के 18 साल के इतिहास में एकमात्र क्रिकेटर हैं, जिन्होंने आईपीएल फाइनल में तीन अलग-अलग टीमों का नेतृत्व किया है, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स तीसरी टीम है। प्रभसिमरन सिंह, जोश इंगलिस, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह के रूप में अय्यर का साथ देने के लिए पंजाब किंग्स के पास अच्छे बल्लेबाज हैं, जिससे वह अपनी स्थिति को मजबूती से बनाए रख सकते हैं और विपक्षी खेमे पर आक्रामक हमले भी कर सकते हैं। मार्को यानसन के बिना पंजाब की गेंदबाजी थोड़ी कमजोर दिखी, लेकिन बल्लेबाजी के अनुकूल विकेट पर मुंबई इंडियंस को पूरी पारी में रोके रखने से पता चलता है कि उसका आक्रमण बहुत कमजोर नहीं है। युजवेंद्र चहल अब भी हाथ की चोट से जूझ रहे हैं और दूसरे क्वालिफायर में वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे, लेकिन पंजाब को उनसे अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद होगी। पंजाब और मुंबई के बीच दूसरा क्वालीफायर बारिश से प्रभावित रहा था लेकिन फाइनल के दिन बारिश की कोई भविष्यवाणी नहीं है, लेकिन खेल समय में एक अतिरिक्त घंटा जोड़कर अवधि को 120 मिनट तक बढ़ाया गया है तथा फाइनल में एक रिजर्व दिन रखा गया है।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, मंगलवार, 03 जून, 2025
www.adityabharat.com

धमाकों से मची तबाही... दर-ब-दर हुए गाजा के लोग

इजराइल द्वारा लगातार हमास के ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। हमलों से बचने के लिए हमास ने अपने ठिकाने रिहायशी इलाकों में बनाने शुरू कर दिए।इजराइल ने उन्हीं ठिकानों में से एक पर मिसाइल दाग दी।

शॉट न्यूज

हज पर सऊदी अरब की सख्ती, 2.69 लाख मुसलमानों को रोका

मक्का। सऊदी अरब में हज यात्रा को लेकर इस बार रिकॉर्ड सख्ती बरती जा रही है। सरकार ने साफ कर दिया है कि बिना अनुमति कोई भी मक्का में कदम नहीं रख सकेगा। इसी सख्ती के तहत अब तक 2.69 लाख से ज्यादा लोगों को मक्का में प्रवेश से रोक दिया गया है। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की और हज नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माने और कार्रवाई की जानकारी दी। सरकार का कहना है कि हज के दौरान भीड़-भाड़ के लिए अनधिकृत यात्रियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि पिछले साल की भीषण गर्मी में मरने वालों में बड़ी संख्या ऐसे ही बिना अनुमति आने वालों की थी। फिलहाल, लगभग 14 लाख मुस्लिम आधिकारिक रूप से मक्का पहुंच चुके हैं, और आने वाले दिनों में और भी लोगों के पहुंचने की संभावना है।

पाक में पानी के लिए मचा हाहाकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इन दिनों भीषण जल संकट खड़ा हो गया है। यह हाल तब है जब पहले से ही कंगाल और भीख मांग कर गुजारा करने वाले पाकिस्तान में फसल की बुवाई का सीजन है। बीते दिनों भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के बाद स्थिति और खराब हो गई है और पाकिस्तान में पानी के लिए हाहाकार मच गया है। देश के कई बड़े डैम सूखने की कगार पर पहुंच गए हैं। विशेषज्ञों की माने तो खरीफ फसलों की बुआई के सीजन में पानी की किल्लत पाक की मुश्किलें बढ़ा रही हैं। देश के दो प्रमुख बांधों, झेलम नदी पर स्थित मंगला और सिंधु नदी पर स्थित तरबेला बांध में जल स्तर में बड़ी गिरावट आई है। इसके अलावा चेनाब नदी के जल प्रवाह पर भारत द्वारा की गई कटौती की वजह से भी मुश्किलें बढ़ी हैं। एक रिपोर्ट में पाकिस्तान के सिंधु नदी प्रणाली प्राधिकरण (IRSA) के हवाले से बताया गया है कि मंगला और तरबेला डैम का पानी पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांतों में सिंचाई के लिए और बिजली उत्पादन के लिए बेहद अहम है।

अमेरिका के कोलोराडो की घटना, एफबीआई ने आतंकी हमला बताया

इजराइल समर्थकों पर पेट्रोल बम से हमला, कई झुलसे

वॉशिंगटन डीसी ● एजेंसी

अमेरिका के कोलोराडो राज्य के बोल्डर शहर में एक शख्स ने लोगों पर हमला कर दिया। उसने लोगों पर मोलोटोव कॉकटेल फेंका, जिससे मौके पर आग लग गई। इस आग की चपेट में आने से कई लोग कुछ झुलस गए। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें एक शख्स मोलोटोव कॉकटेल (पेट्रोल बम) फेंकते हुए दिखाई दे रहा है। यह हमला रन फॉर देयर लाइव्स नाम के एक ग्रुप की सभा के दौरान हुआ। यह ग्रुप गाजा में हमास की कैद में मौजूद इजराइली नागरिकों की रिहाई की मांग कर रहा था। पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 45 वर्षीय मोहम्मद साबरी सोलिमान के रूप में हुई है। सीएनएन ने बताया कि सोलिमान ने पहले अमेरिका में शरण के लिए आवेदन किया था। साल 2005 में सोलिमान को अमेरिका में घुसने के लिए वीजा देने से मना कर दिया गया था। हालांकि, वह अमेरिका कब और कैसे आया, यह अभी तक साफ नहीं है।

घटना

एफबीआई ने आतंकी हमला बताया

अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने शुरुआती जानकारी के आधार पर इसे आतंकी हमला बताया है। एफबीआई के डिप्टी डायरेक्टर डैन बॉन्जिनो ने कहा, ये हमला शुरुआती जानकारी के आधार पर वैचारिक नफरत से प्रेरित आतंकवादी घटना लगती है। जब सबूत साफ होंगे, तो हम पूरी जानकारी देंगे। बोल्डर के पुलिस प्रमुख स्टीव रेडफर्न ने कहा कि हमला शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों पर हुआ और पीड़ितों की चोटें दिखाती हैं कि उन्हें जलाने की कोशिश की गई। हालांकि, उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुँचना जल्दबाजी होगी। कोलोराडो के गवर्नर जैरेड पोलिस ने बयान जारी कर कहा, "हिंसा और नफरत से भरे किसी भी तरह के काम को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।" घटना के बाद पुलिस ने पूरे बाजार क्षेत्र को खाली करा लिया। सुरक्षाबलों ने सड़कों पर गश्त लगाई और लोगों से उस इलाके से दूर रहने की अपील की है।

यूक्रेन के सबसे बड़े अटैक की कहानी

ट्रक से रूस पहुंचाए गए ड्रोन, फिर एयरबेस पर हुआ हमला

मॉस्को ● एजेंसी

यूक्रेन ने ड्रोन हमले के जरिए रूस के एयरबेस को तबाह कर दिया। वहां खड़े कम-से-कम 40 बम बरसाने वाले विमानों को नुकसान पहुंचा है। यह हमला रूस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे युद्ध का अब तक कोई नतीजा नहीं निकला है, लेकिन अब सीजफायर की कोशिशें लगातार हो रही हैं। इसी बीच, यूक्रेन ने रूस के एयरबेस को कल निशाना बनाते हुए अलग ढंग से हमला किया। पहले बड़े ट्रक के जरिए ड्रोन रूस भिजवाए गए और फिर अचानक से उसी ट्रक के कंटेनर से ड्रोन बाहर आए और एयरबेस पर खड़े विमानों को निशाना बनाने लगे। इस हमले की निगरानी खुद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की कर रहे थे। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि हमले को अंजाम देने में डेढ़ साल से अधिक का समय लगा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में ट्रकों में कंटेनरों में ड्रोन भरकर रूसी क्षेत्र में काफी अंदर तक ले जाया गया। ड्रोन ने कथित तौर पर रविवार दोपहर को कई एयरबेस पर तैनात 41 बमवर्षक विमानों को निशाना बनाया, जिसमें यूक्रेन से 4,000 किलोमीटर से अधिक दूर रूस के इरकुत्स्क क्षेत्र में बेलाया एयर बेस भी शामिल है।

यूक्रेन भेजेगा प्रतिनिधिमंडल= स्थानीय गवर्नर इगोर कोबजेव ने कहा कि यह पहली बार है कि इस क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन देखा गया है। उरियाजान और मरमंस्क क्षेत्रों में रूसी अधिकारियों ने भी रविवार दोपहर को ड्रोन गतिविधि की सूचना दी, लेकिन उन्होंने आगे कोई विवरण नहीं दिया। यह हमला उसी दिन हुआ जब जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन आज रूस के साथ सीधे शांति वार्ता के एक नए दौर के लिए इस्तांबुल में एक प्रतिनिधिमंडल भेजेगा।

युनाइटेड नेशन की निगरानी एजेंसी का दावा

ईरान परमाणु बम बनाने के बेहद करीब पहुंचा

तेहरान/न्यूयॉर्क ● एजेंसी

ईरान परमाणु हथियार बनाने के बेहद करीब पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी आईएईए ने एक गोपनीय रिपोर्ट में दावा किया है कि ईरान ने मिलिट्री ग्रेड यानी 60% तक शुद्ध यूरेनियम का स्टॉक बढ़ा दिया है।

दावा

यह यूरेनियम परमाणु हथियार बनाने के बेहद करीब माना जाता है। एजेंसी ने ईरान से सहयोग बढ़ाने और अपनी नीति में बदलाव की अपील की है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते को फिर से शुरू करने की कोशिशें चल रही हैं। इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच बातचीत हो रही है, लेकिन अभी कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। वहीं, इजराइल ने कहा कि आईएईए की रिपोर्ट दिखाती है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की पूरी तैयारी कर चुका है। इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसे तुरंत रोकwने की अपील की है। अगर ईरान परमाणु हथियार बना लेता है तो वह ऐसा करने वाला 10वां देश होगा। दुनिया में सबसे ज्यादा परमाणु हथियार रूस के पास हैं।

आईएईए (अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) ने कहा है कि 17 मई तक ईरान के पास 60% शुद्धता वाला करीब 408.6 किलो यूरेनियम था। यह मात्रा फरवरी की तुलना में 50% ज्यादा है। यूरेनियम को जब ज्यादा शुद्ध किया जाता है, तो वह हथियार बनाने के लायक बन जाता है। 90% शुद्ध यूरेनियम को हथियार-ग्रेड यानी परमाणु बम बनाने लायक माना जाता है। 60% पर पहुंच जाने का मतलब यह है कि ईरान अब उस स्तर से सिर्फ एक कदम पीछे है। आईएईए ने यह भी बताया कि अगर ईरान 60% वाले करीब 42 किलो यूरेनियम को और ज्यादा शुद्ध कर दे, तो उससे एक परमाणु बम बनाया जा सकता है।

ईरान ने रिपोर्ट को गलत बताया

ईरान के विदेश मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा संगठन ने इस रिपोर्ट को गलत और पक्षपातपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट अविश्वसनीय स्रोतों पर आधारित है और इसे राजनीतिक दबाव में तैयार किया गया है। ईरान ने यह भी कहा कि उसका परमाणु कार्यक्रम इस्लामिक सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत शांतिपूर्ण है। उसने अपने सर्वोच्च नेता खामेनेई के उस फतवे का जिक्र किया जिसमें परमाणु हथियारों को इस्लाम के खिलाफ बताया गया है। ईरान ने यह आरोप भी लगाया कि 2018 में जब अमेरिका परमाणु समझौते से बाहर हुआ, तब आईएईए चुप रहा।

अमेरिका ने ईरान को नया प्रस्ताव दिया - मान के विदेश मंत्री तेहरान पहुंचे और उन्होंने अमेरिका का एक नया प्रस्ताव ईरानी विदेश मंत्री को सौंपा। यह प्रस्ताव परमाणु कार्यक्रम सीमित करने और अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत से जुड़ा है। हाल ही में रोम में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का पांचवां दौर हुआ, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)